गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

Si न्यूज़

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

सिर्फ सच के साथ...

वर्ष : 02 अंक : 13 गोरखपुर रविवार 15 सितम्बर 2024 पृष्ठ : 8 मूल्य 02 रूपया

गृह मंत्री बोले- पोर्ट ब्लेयर का नाम अब श्री विजय पुरम होगा

गुलामी का एक और निशान मिटा

नई दिल्ली। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि विजय पुरम स्वतंत्रता संग्राम में हासिल की गई जीत और उसमें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की अद्वितीय भूमिका का प्रतीक है। अंडमान

और निकोबार का हमारे स्वतंत्रता संग्राम और इतिहास में अद्वितीय स्थान है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह की राजधानी पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर विजयपुरम कर दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में पोर्ट ब्लेयर के नए नाम का एलान किया गया। अमित शाह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी विजन के तहत देश को औपनिवेशिक पहचान से मुक्त करने के लिए हमने पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर श्री विजय पुरम करने का निर्णय लिया है। अब गुलामी का एक और निशान मिटा दिया गया है। उन्होंने लिखा कि पहले के नाम में औपनिवेशिक विरासत थी। विजय पुरम स्वतंत्रता संग्राम में हासिल की गई जीत और उसमें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की अद्वितीय भूमिका का प्रतीक है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का हमारे स्वतंत्रता संग्राम और इतिहास में अद्वितीय स्थान है। यह द्वीप क्षेत्र जो कभी चोल साम्राज्य के नौसैनिक अड्डे के रूप में कार्य करता था, आज हमारी रणनीतिक और विकास आकांक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण आधार बनने के लिए तैयार है।

यह वह स्थान भी है जहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने तिरंगे को पहली बार फहराया था और वह सेल्युलर जेल भी है जहां वीर सावरकर और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों ने एक स्वतंत्र राष्ट्र के लिए संघर्ष किया था। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि पोर्ट ब्लेयर अंग्रेजों का दिया नाम है। पोर्ट ब्लेयर औपनिवेशिक नाम था। पोर्ट ब्लेयर में अंग्रेज काले पानी की सजा वाले कैदियों का पर अत्याचार किया जाता है। इसका नया नाम श्री विजय पुरम स्वतंत्रता संग्राम की स्मृति में है। अंग्रेजों का भगाने का काम हम लोगों ने किया। महात्मा गांधी और भीमराव आंबेडकर ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई। अमित शाह का यह निर्णय एक स्वागत योग्य कदम है। हम इस कदम का समर्थन करते हैं।

केंद्र सरकार अंडमान–निकोबार में द्वीपों के नाम लगातार बदल रही है। पहले केंद्र सरकार ने रोस आइलैंड का नामकरण नेताजी सुभाषचंद्र बोस द्वीप के नाम पर किया था। इसके अलावा नील आइलैंड को शहीद द्वीप और हेवलॉक आइलैंड को स्वराज द्वीप का नाम दिया गया। इसके बाद केंद्र शासित प्रदेश अंडमान निकोबार द्वीप समूह के 21 द्वीपों का नामकरण परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर किया गया। पराक्रम दिवस के मौके पर पीएम मोदी ने विधिवत रूप से इसकी शुरुआत की थी। बता दें कि अंडमान निकोबार में द्वीपों का अभी तक नामकरण नहीं हुआ था लेकिन पीएम मोदी ने इन द्वीपों को नई पहचान दी।

लगातार तीसरे दिन बरसे बदरा, जलभराव के कारण कई जगह लगा भीषण जाम

नई दिल्ली । दिल्ली–एनसीआर में पिछले कई दिनों से हो रही बारिश शुक्रवार को भी जारी रही। दिल्ली में शाम चार बजे ही अंधेरा छा गया। बारिश के साथ हवा चलने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। लोगों को उमस भरी गर्मी से लगातार कई दिनों से राहत मिल रही है। राजधानी में बुधवार देर रात शुरू हुई बारिश शुक्रवार को भी दिनभर रुक–रुककर जारी रही। इससे मौसम खुशनुमा बना रहा। हवाओं ने ठंड का अहसास कराया। सुहावने मौसम का लोगों ने भी जमकर लुत्फ उठाया। पर्यटन स्थलों पर लोग मस्ती करते नजर आए। वहीं दूसरी ओर लगातार हो रही बारिश से कई जगहों पर जलभराव हुआ और इसके कारण लोगों को भारी ट्रैफिक जाम का सामना भी करना पड़ा। दिल्ली के मुनिरका में बारिश के पानी से जलभराव देखने को मिला। जिसकी वजह से लोगों को भारी ट्रैफिक से काफी परेशानी हुई। कई वाहनों के इंजन में पानी जाने से वो बंद पड़ गए जिसकी वजह से जाम ने विकराल रूप ले लिया। ऐसा ही कुछ नजारा नोएडा के चिल्ला बॉर्डर पर देखने को मिला। यहां भी कई जगहों पर जलभराव के कारण लंबा जाम लगा। ऑफिस की छुट्टी के कारण सड़क पर वाहनों का दबाव अधिक रहा, जिसके कारण भी गाड़ियां रेंगने को मजबूर दिखीं। पिछले पांच दिनों से हो रही लगातार बारिश के चलते पुराने मकान भरभरा कर गिर रहे हैं। शुक्रवार को जेवर में पुराना मकान पूरा ढह गया। दनकौर और बिलासपुर में छत गिर गई।

भारत की विदेश नीति पर जिनेवा में जयशंकर के लिए जमकर बजी तालिया

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक बार फिर देश के लोगों को गौरवान्वित करने का काम किया है। उन्होंने पश्चिमी देशों को एक ऐसा जवाब दिया है, जिसकी हर भारतीय आज तारीफ कर रहा है। एस जयशंकर ने स्विजरलैंड के जिनेवा में ग्लोबल सेंटर फॉर सिक्योरिटी पॉलिसी को संबोधित करते हुए एक बड़ा बयान दिया है। दरअसल, जब विदेश मंत्री से पूछा गया कि ब्रिक्स क्यों है और क्या इसका विस्तार होगा? इस सवाल पर एस जयशंकर ने तीखा जवाब देते हुए कहा कि एक क्लब था, जिसे जी 7 कहा जाता था। जी7 में आप लोग किसी और देश को प्रवेश करने से रोकते थे। इसलिए हमने अपना खुद का क्लब बनाया। इसके साथ ही एस जयशंकर ने कहा कि जी 20 के रहते अगर जी 7 का अस्तित्व रह सकता है तो कोई कारण नहीं है कि ब्रिक्स का अस्तित्व न हो। इसके साथ ही एस जयशंकर ने कहा कि हमने ब्रिक्स का विस्तार किया है। पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स का विस्तार करने का निर्णय लिया गया था। दक्षिण अफ्रीका इसमें शामिल हो गया, और जनवरी 2024 में पांच नए देश – ईरान, सऊदी अरब, मिस्र, यूएई और इथियोपिया – इस समूह में शामिल हुए।

निवेश पाने और रोजगार पैदा करने में महायुति सरकार की उपलब्धि

महाराष्ट्र । विधानसभा चुनाव 2024 में होने है, जिसका समय नजदीक आ रहा है। चुनावों से पहले विपक्ष झूठी कहानियां फैलाने और विभाजनकारी प्रचार करने में जुटा हुआ है। वहीं महायुति सरकार महाराष्ट्र के लोगों के लिए निवेश लाने और रोजगार सृजित करने के लिए लगातार प्रयास करने में जुटी हुई है। सरकार की ष्महाराष्ट्र पहले, मराठी पहलेष नीति सफलत रही है, जिसमें कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को केंद्र सरकार से मंजूरी मिली है। पंप स्टोरेज के लिए 2.14 लाख करोड़ रुपये के निवेश से राज्य के ऊर्जा क्षेत्र में क्रांति आएगी। ये राज्य में 40,870 मेगावाट अतिरिक्त बिजली पैदा करेगी। इसके साथ इससे युवाओं के लिए लगभग 72,000 रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इस संबंध में उपमुख्यमंत्री और राज्य के ऊर्जा मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हाल ही में ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए है। राज्य सरकार ने वाहन और ऊर्जा क्षेत्र में 1.20 लाख करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी है। टावर सेमीकंडक्टर और अडानी समूह पनवेल के तलोजा में एक सेमीकंडक्टर परियोजना स्थापित करेंगे, जिससे 5,000 नौकरियां पैदा होंगी। टोयोटा किर्लोस्कर ओरिक सिटी में इलेक्ट्रिक वाहन प्लांट स्थापित करेगी, जिससे लगभग 9,000 नौकरियां पैदा होंगी।

फुले या तिलक, आखिर शिवाजी महाराज की समाधि की खोज किसने की?

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के एक

बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। अब इस मुद्दे पर विपक्ष से लेकर एनडीए के सहयोगी तक ने प्रतिक्रिया दी है और मोहन भागवत को दुविधा में डाल दिया है। वहीं बीजेपी नेता इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से बच रहे हैं। मिलिंद पराडकर की किताब श्तंजावुर के मराठाश का कल पुणे में मोहन भागवत ने लोकार्पण किया। लेकिन इस दौरान भागवत द्वारा शिवाजी महाराज की समाधि का श्रेय लोकमान्य तिलक को दिए जाने से नया विवाद खड़ा हो गया है। पुणे में एक भाषण के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत के इस दावे ने कि स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक ने शिवाजी महाराज की समाधि की खोज की थी। भागवत की इस टिप्पणी पर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के नेताओं ने समाज सुधारक ज्योतिराव से श्रेय छीनने की साजिश का आरोप लगाया है। 1680 में शिवाजी महाराज की मृत्यु के बाद रायगढ़ के किले में उनका अंतिम संस्कार किया गया। बाद में वहां उनकी एक समाधि बनाई गई। हालांकि शिवाजी की मृत्यु के तुरंत बाद समाधि की उपस्थिति का विवरण देने वाला कोई समकालीन रिकॉर्ड नहीं है। लेकिन कहा जाता है कि एक दशक के अंतराल के बाद किले पर मुगलों का कब्जा हो गया और 1689 से 1733 तक उनके नियंत्रण में रहा। मराठों ने 1733 में किले पर पुनः कब्ज़ा कर लिया और यह 1818 तक उनके नियंत्रण में रहा, जब तक की ब्रिटिश सेना ने आक्रमण नहीं किया था।

कहा जाता है कि किले पर कब्जे के दौरान अंग्रेजों ने लगातार गोलाबारी की, जिससे समाधि सहित अंदर की कई संरचनाओं को नुकसान पहुंचा। अच्छी स्थिति में नहीं थी। बाद में ब्रिटिश शासन के तहत और अधिक खंडहर हो गई। लेखक जेम्स डगलस ने अपनी 1883 की पुस्तक ए बुक ऑफ बॉम्बे में किले की अपनी यात्रा का वर्णन करते हुए कहा कि अब किसी को भी शिवाजी की परवाह नहीं है। डगलस ने किले और समाधि की उपेक्षा के बारे में बाद के मराठा शासकों से भी सवाल किया। शिवाजी की समाधि को लेकर कई अलग अलग दावे किए जाते रहे हैं। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने 2022 में एक बयान में दावा किया कि तिलक ने रायगढ़ किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की समाधि बनवाई थी। लेकिन, स्वतंत्रता सेनानी के परपोते रोहित तिलक ने दावा किया था कि फुले ने मराठा शासक की समाधि की खोज की थी, लेकिन यह लोकमान्य तिलक थे जिन्होंने इसके जीर्णोद्धार की प्रक्रिया शुरू की थी।वहीं अभिलेखों से संकेत मिलता है कि अंग्रेजों को समाधि के स्थान के बारे में पता था। हालांकि वे अक्सर वहां नहीं जाते थे। कहा जाता है कि 1869 में ज्योतिराव फुले ने इस स्मारक का दौरा किया था। फुले 19वीं सदी के भारत में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति थे, जिनका सामाजिक–राजनीतिक परिदृश्य, विशेषकर ओबीसी और हाशिए पर रहने वाले समुदायों पर गहरा और स्थायी प्रभाव था। वह जाति व्यवस्था के कट्टर आलोचक थे और सामाजिक और शैक्षिक सुधार के माध्यम से ओबीसी सहित निचली जातियों के सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करते थे।

स्वभाषा का उपयोग कर ही दुनिया के कई देश बने हैं शक्तिशाली, विदेशी भाषा पर पूर्ण निर्भरता ठीक नहीं

नीरज कुमार दुबे

आप सभी को हिंदी दिवस पर बहुत बहुत बधाई। हमारी राजभाषा, मातृभाषा और राष्ट्रभाषा हिंदी की विकास

यात्रा अनवरत जारी रहे और हिंदी सभी भारतीय भाषाओं को साथ लेकर आगे बढ़ती रहे, यह हमारी शुभकामनाएं हैं। वैसे आज जब हम हिंदी दिवस मना रहे हैं और एक दूसरे को शुभकामनाएं दे रहे हैं तो हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि हिंदी की सेवा हमें साल के बाकी दिनों में भी करते रहना है। जहां तक हिंदी दिवस की बात है तो यह खुशी का अवसर तो है लेकिन यह भी एक सत्य है कि 14 सितंबर को मनाया जाने वाला हिंदी दिवस एक सरकारी औपचारिकता बनकर रह गया है। देखा जाये तो यदि सरकारों और जनता को सचमुच स्वभाषा का महत्व पता होता तो हिंदी की वह दुर्दशा नहीं होती, जो आज भारत में है। हमें देखना चाहिए कि आज तक दुनिया का कोई भी देश यदि महाशक्तिशाली और महासंपन्न बना है तो वह स्वभाषा के माध्यम से बना है। सुरक्षा परिषद् के पांचों स्थायी सदस्य अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन अपने देश की शिक्षा, चिकित्सा, संसद, सरकार, अदालतों और अपने दैनिक व्यवहार में उच्चतम स्तर तक स्वभाषा का ही प्रयोग करते हैं। स्वभाषा में ही हर कार्य करने का अर्थ यह नहीं है कि विदेशी भाषाओं का प्रयोग और उपयोग करना सर्वथा अनुचित है। विदेशी भाषाओं का उपयोग अनुसंधान, कूटनीति, विदेश–व्यापार आदि के लिए हम करें और जमकर करें, यह जरूरी है लेकिन हम किसी एक विदेशी भाषा को अपना सर्वस्व बना लें और अपनी भाषाओं को उसकी दासी बना दें यह तो ठीक नहीं है। हिन्दी ने भारत में भाषाओं की विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने का काम किया है और इसने अलग–अलग भारतीय भाषाओं और बोलियों के साथ–साथ कई वैश्विक भाषाओं को सम्मान दिया है और उनकी शब्दावलियों, पदों और व्याकरण के नियमों तक को अपनाया है। हिन्दी की किसी भी भारतीय भाषा से न कभी कोई स्पर्धा थी और न ही कभी हो सकती है। हिन्दी तो सभी स्थानीय भाषाओं को सशक्त बनाने का माध्यम है। देखा जाये तो भारत, विविध भाषाओं का देश है और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की भाषाओं की विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने का नाम 'हिन्दी' है। हिन्दी भाषा ने स्वतंत्रता आन्दोलन के मुश्किल दिनों में देश को एकसूत्र में बांधने का अभूतपूर्व कार्य किया था। इसने अनेक भाषाओं और बोलियों में बंटे देश में एकता की भावना स्थापित की थी। देश में पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक स्वतंत्रता की लड़ाई को आगे बढ़ाने में संवाद भाषा के रूप में हिन्दी की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही थी। स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिन्दी की महत्त्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए संविधान निर्माताओं ने 14 सितंबर 1949 के दिन ही हिन्दी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। देखा जाये तो किसी भी देश की मौलिक और सृजनात्मक अभिव्यक्ति सही मायनों में सिर्फ उस देश की अपनी भाषा में ही की जा सकती है। हिंदी के साथ ही सभी भारतीय भाषाएं देश की सांस्कृतिक धरोहर हैं, जिन्हें हमें साथ लेकर चलना है। हिंदी–दिवस पर भारत की जनता और सरकार, दोनों को कुछ ठोस संकल्प लेने चाहिए। भारत के सभी नागरिक यह संकल्प ले सकते हैं कि वे अपने हस्ताक्षर अपनी मातृभाषा या हिंदी में ही करेंगे। वे अंग्रेजी या किसी भी विदेशी भाषा में हस्ताक्षर नहीं करेंगे। देखा जाये तो देश के ज्यादातर पढ़े–लिखे लोग अपने हस्ताक्षर अंग्रेजी में ही करते हैं। इसके अलावा विभिन्न शहरों के बाजारों में लगे नामपट यदि हिंदी और स्थानीय भाषाओं में लगे हों तो खरीदारों को ज्यादा आसानी होगी। माल ज्यादा बिकेगा। कुछ प्रांतों ने स्थानीय भाषा के इस प्रावधान को कानूनी रूप भी दिया है। सारे देश के बाजारों के लिए इस तरह के नियम क्यों नहीं लागू किए जा सकते हैं ? आम लोगों को चाहिए कि वे अपने परिचय–पत्र भी भारतीय भाषाओं में छपवाएं। अपने निमंत्रण–पत्र भी अपनी स्थानीय भाषा और हिंदी में छपवाए जा सकते हैं। अब से लगभग 50 साल पहले जब स्वभाषा आंदोलन तेजी से चला था तो सैकड़ों लोग ऐसे भी थे, जो अंग्रेजी में निमंत्रणों के कार्यक्रमों का बहिष्कार कर देते थे। आजकल हमारी बोलचाल में, अखबारों और टीवी चौनलों में अंग्रेजी शब्दों और मुहावरों का प्रयोग भी बहुत ज्यादा बढ़ गया है। कई बार तो उस बोले और लिखे हुए का अर्थ निकालना मुश्किल हो जाता है। भाषा अलग भ्रष्ट होती है। संवाद का सौंदर्य नष्ट हो जाता है। इसका अर्थ यह नहीं कि हम अंग्रेजी या अन्य विदेशी भाषाओं के शब्दों को पचा लेने की क्षमता को खो दें।

हिंदी तो अत्यंत समर्थ भाषा बनी ही इसलिए है कि इसने सैंकड़ों देशी और विदेशी भाषाओं और बोलियों के शब्दों को पचा लिया है। उसका शब्द सामर्थ्य और अभिव्यक्ति की क्षमता अंग्रेजी के मुकाबले कई गुना ज्यादा है। वह संस्कृत की पुत्री और भारतीय भाषाओं की भगिनी है। हिंदी–दिवस पर भारत की जनता यह संकल्प भी ले कि वह हिंदी को नौकरशाही के शिकंजे से मुक्त करेगी। आज भी देश का शासन हमारे नेता कम और नौकरशाह ज्यादा चलाते हैं।

वे आज तक अंग्रेजी काल की गुलाम मानसिकता से मुक्त नहीं हुए हैं। यदि हमारे नेता दृढ़ संकल्पी हों तो भारत में से अंग्रेजी का वर्चस्व वैसे ही चुटकियों में खत्म हो सकता है, जैसे व्लादिमीर लेनिन ने रूस में फ्रांसीसी और तुर्की में अतातुर्क ने अरबी लिपि का किया था। यदि सारे सरकारी काम–काज से अंग्रेजी को हटा दिया जाए तो समस्त भारतीय भाषाएं और हिंदी अपने आप जम जाएगी। बस, सावधानी यही रखनी होगी कि किसी अहिंदीभाषी को कोई असुविधा न हो। यदि भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय की तरह एक अनुवाद मंत्रालय भी कायम कर दे तो बहुभाषी भारत में यह एक चमत्कारी काम होगा। भारत के किसी भी नागरिक को स्वभाषा का प्रयोग करने में कोई कठिनाई नहीं होगी। संसद और विधानसभा के कानून स्वभाषाओं में बनने शुरु हो जाएंगे, अदालतों के फैसले और बहसें जनता की भाषा में होंगी, विश्वविद्यालयों की ऊँची पढ़ाई और शोधकार्य भी भारतीय भाषाओं में होने लगेंगे। सारे स्कूलों और कॉलेजों से अंग्रेजी की अनिवार्य पढ़ाई पर प्रतिबंध होगा। कोई भी विषय अंग्रेजी माध्यम की बजाय भारतीय भाषाओं के माध्यम से पढ़ाया जा सकेगा। विभिन्न विषयों की पुस्तकें और ताजा शोध–लेख, जो विदेशी भाषाओं में होंगे, वे भारतीय छात्रों को उनकी सहज और सरल भाषा में मिलने लगेंगे। विदेशी भाषा को रटने और समझने में जो शक्ति फिजूल खर्च होती है, उसका उपयोग छात्रों की मौलिकता बढ़ाने में होगा। इसके अलावा छात्रों को सिर्फ अंग्रेजी नहीं, कई विदेशी भाषाएं पढ़ने की स्वैच्छिक सुविधा भी दी जाए ताकि हमारे विदेश व्यापार, कूटनीति और शोधकार्य में नई जान आ जाए। यदि हम भारत की संसद, सरकार, अदालतों, शिक्षा, चिकित्सा और जन–जीवन में हिंदी और स्वभाषाओं को उनका उचित स्थान दिलवा सकें तो फिर उसे संयुक्त राष्ट्र संघ में भी प्रतिष्ठित करवा सकते हैं। इसके अलावा यदि सरकारी नौकरियों से अंग्रेजी की अनिवार्यता हट जाए तो देश के करोड़ों गरीबों, पिछड़ों, ग्रामीणों को आगे आने के अपूर्व अवसर मिल सकेंगे। बहरहाल, हर 14 सितंबर को भारत सरकार हिंदी दिवस मनाती है। नेता लोग हिंदी को लेकर अच्छे–खासे भाषण भी झाड़ देते हैं। लेकिन हिंदी का ढर्रा जहाँ था, वहीं आकर टिक जाता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि हिंदी उन भाषाओं में शुमार है जो दुनिया में सबसे ज्यादा बोली और समझी जाती है। महात्मा गांधी ने कहा था कि हिंदी जनमानस की भाषा है। उन्होंने इसे देश की राष्ट्रभाषा बनाने की सिफारिश भी की थी। लेकिन उनकी सलाह पर गौर नहीं किया गया बल्कि राजभाषा को राष्ट्रभाषा बनाने का विरोध किया गया। कई ऐसे राजनीतिक दल और नेता हैं जो हिंदी विरोध पर ही अपनी राजनीति चमकाते हैं। हमें ध्यान रखना होगा कि हिंदी को सिर्फ एक दिन प्यार करने से काम नहीं चलेगा, हमें अपनी स्वभाषा का निरंतर उपयोग करते रहना होगा और इस यात्रा में हमें सभी भारतीय भाषाओं को भी सहभागी बनाना होगा तभी सुखद परिणाम मिलेंगे। देश को एक सूत्र में जोड़ने वाली हिंदी की विकास यात्रा जारी रहे और लिये गये संकल्प सिद्धि में परिवर्तित हो सकें, इसके लिए युवा पीढ़ी को अपना पूर्ण योगदान देना होगा। जिस तरह हम वैलेंटाइन डे, फादर्स डे, मदर्स डे और ऐसे ही तमाम तरह के श्डेश धूमधाम से मनाते हैं और उनसे संबंधित तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हैं, यदि हम उसी उत्साह के साथ हिंदी दिवस भी मनाएं तो सुखद परिणाम मिलना निश्चित है।

एक सस्पेंस और थ्रिल का-सा मजा

सहीराम

अरे जनाब चुनाव में क्या मजा आएगा, जो मजा हरियाणा में टिकट वितरण में आया। यह ऐसा तमाशा था जिसमें राग भी था, द्वेष भी था। त्याग भी था और प्रतिशोध भी था। गम भी था, गुस्सा भी था। दया भी थी, निष्ठुरता भी थी। भावुकता भी थी और निर्दयता भी थी। बोले तो क्या नहीं था। यह एक ऐसी फिल्म थी जो थ्रिल और सस्पेंस, प्रेम और उदात्तता, त्याग और समर्पण, रोष और प्रतिशोध से लबालब थी। इतनी कि सागरो पैमाने की तरह नहीं तो अधजल गगरी की तरह तो अवश्य ही छलक–छलक जा रही थी। कई बार तो इसमें गाली–गलौज भरी ओटीटी वाली सीरीज का–सा मजा भी आया। टिकटार्थियों की भीड़ में आप किसी भी मानवीय भावना का प्रतिबिंब देख सकते थे। आप देख सकते थे कि कोई इसलिए जार–जार रोए जा रहा है कि उसे टिकट नहीं मिला, फिर चाहे उसने अपनी जिंदगी में कितनों का ही पत्ता काटा हो। कोई इसलिए गमगीन था कि उसका टिकट कट गया, फिर चाहे उसने कितनों को कितने ही गम दिए हों। कोई इसलिए गुस्से में था कि उसका टिकट कट गया है, हालांकि थोड़ी देर पहले ही वह उन्हीं नेताओं की लल्लोचप्पो कर रहा था, जिनके खिलाफ अभी वह आग उगल रहा था। कोई अपनी ही उस पार्टी से प्रतिशोध की कसमें खा रहा था, जिसके प्रति वह थोड़ी देर पहले ही संपूर्ण समर्पण का प्रदर्शन कर रहा था।

भीड़ थी, गर्मी थी, उमस थी, बारिश की चिपचिप थी। लेकिन टिकटार्थियों को किसी की भी परवाह नहीं थी। भीड़ तो टिकटार्थी को चाहिए थी, लेकिन तब जब टिकट मिल जाए और वह नामांकन करने जाए। गर्मी तो उसे भी चाहिए थी, लेकिन तब जब उसके समर्थन में माहौल गर्मा जाए। बारिश उसे भी चाहिए थी, लेकिन वोटों की चाहिए थी। इस भीड़, इस गर्मी, इस उमस की उसे परवाह नहीं थी क्योंकि वह एक खुशनुमा जीवन के स्वप्न लोक में विचर रहा था।

टिकट वितरण के इस समारोह में अगर अभी–अभी जोश था, उल्लास था, नारेबाजी थी, जयजयकार थी, तो अब सिर्फ आंसू हैं, गम है, गुस्सा है, हताशा है, निराशा है। इस तमाशे में अभी–अभी उम्मीदें जग रही थीं, सुखद जीवन की कल्पनाएं पंख फड़फड़ा रही थीं लेकिन अब मिट्टी के घरौंदों की तरह वे उम्मीदें चकनाचूर हैं। धराशायी हैं, धूल–धुसरित हैं। अभी–अभी जीवन उमंगों से भरा हुआ था, लेकिन अब जीवन की निस्सारता याद आ रही है। ऐसा नहीं है कि सब तरफ निराशा और हताशा ही थी, खुशी भी थी, पर उन्हें जिन्हें टिकट मिल रहा था। खुशी तो एक ही के हिस्से में आ रही थी, लेकिन गम बहुतों के हिस्से में आ रहा था। सो खुश कम थे, दुखी ज्यादा थे।

विराट कुश्ती दंगल में पहलवानों ने दिखाया दम

संवाददाता–बस्ती। विक्रमजोत ब्लॉक के गौरिया नैन में स्व. बाबा राममणि पाण्डेय की स्मृति में रविवार को विराट कुश्ती दंगल प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। विधायक अजय सिंह, पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी, गोसाईगंज अयोध्या के पूर्व विधायक इंद्र प्रताप खब्बू तिवारी और जिला पंचायत अध्यक्ष सिद्धार्थनगर राहुल सिंह ने दंगल प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात पहलवानों से परिचय प्राप्त करते हुए अतिथियों ने कहा कि कुश्ती हमारी प्राचीन धरोहर और हमारे संस्कृति की पहचान है, जिसको बचाकर रखना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी बनती है। इस तरह के खेल आयोजनों से समाज में भाईचारा बढ़ता है व परस्पर सहयोग की भावना का संचार होता है। कहा कि विलुप्त हो रही इस कला को जीवित रखने की जरूरत है इससे प्रतिभाओं को बड़े स्तर पर अपनी कला प्रदर्शन का मौका मिलता है। दंगल के आयोजक यज्ञेश पाण्डेय, शैलेश पाण्डेय के साथ दंगल कमेटी ने अतिथियों का माल्यार्पण करके स्वागत किया। गोरखपुर के शिवानंद और झांसी के श्यामजीत की कुश्ती बराबर पर रही। नंदिनी नगर के अखिल ने बहराइच के गोविंद को हराया। इसी तरह दंगल में हनुमान गढ़ी अयोध्या, नंदिनी नगर नवाबगंज गोंडा, गोरखपुर, बनारस, आजमगढ़, झांसी, मेरठ, दिल्ली, हरियाणा सहित देश के विभिन्न जगहों से आए राष्ट्रीय और राज्य स्तर के साथ ही सैकड़ो की संख्या में स्थानीय स्तर के महिला और पुरुष पहलवानों ने एक दूसरे को पटकनी देकर उपस्थित हजारों की संख्या में दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दंगल के आयोजक यज्ञेश पाण्डेय, शैलेश पाण्डेय ने विजयी पहलवानों को पुरस्कार एव सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक अम्बिका सिंह, अरविन्द पाण्डेय, कृष्ण चंद्र सिंह, केके सिंह प्रमुख, भानू प्रताप सिंह, देवेन्द्र सिंह, सोनू पाण्डेय, जगदीश प्रसाद शुक्ल, नरेंद्र त्रिपाठी चंचल, श्रीश पाण्डेय, श्रवण तिवारी, विवेक कान्त पाण्डेय, रवीश कुमार मिश्र, आदित्य पाण्डेय, जयेश पाण्डेय, चंद्रमणि पाण्डेय सुदामा, पंकज मिश्र, अजय तिवारी, दरोगा पाठक, शशांक त्रिपाठी, राम विशाल पाठक, रघुनाथ सिंह, महेंद्र सिंह, राम गोस्वामी, अनादि मिश्र, शिव कुमार गुप्ता सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

पुलिस टीम पर हमला करने वाले चार पशु तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। पुलिस टीम में शामिल आरक्षी पर हमला करने वाले चार पशु तस्करों को पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी तुलसीपुर थाना क्षेत्र स्थित कहारनडीह गांव के निकट शनिवार रात हुई है। जब्त किए गए मवेशी लदे पिकअप वाहनों को नीलाम कर धनराशि सरकारी खाते में जमा की जाएगी। दोनों वाहन चालकों की तलाश मे पुलिस जुटी है। पशु तस्करों के विरुद्ध आरक्षी पर प्राण घातक हमला करने, पशु क्रूरता व गोवध निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज है। पशु तस्करों के तार रामपुर जिले से जुड़े होने का मामला प्रकाश में आया है। पशु तस्करों के पास एक मोटर साइकिल व चार मोबाइल फोन बरामद हुआ है।

एक सितंबर को तुलसीपुर गौरा चौराहा स्थित गुलरिहा घाट के पास पिकअप पर गोवंशीय पशुओं को लादने की खबर मिली थी। मुखबिर से पता चला था कि दो पिकअप पर आठ मवेशियों को लादा गया है। पशु तस्कर उन्हें रामपुर जिला ले जाने की फिराक में हैं। प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में मौके पर पहुंची टीम को देख पशु तस्कर अंधेरे का लाभ उठाकर भाग निकले थे। पिकअप में आठ मवेशी लादे गए थे। दूसरी पिकअप के चालक ने पुलिस को देख रफ्तार बढ़ा दी। घटना की सूचना डीसीआरबी व गौरा चौराहा पुलिस को वायरलेस की जरिए दी गई थी। पशु तस्करों ने अचानक पुलिस टीम पर हमला कर दिया था। आरक्षी मनीष कुमार के सिर पर डंडे से वार किया था। आरक्षी का सिर फटने के कारण पुलिस टीम को बैक होना पड़ा था। यहां तक कि पुलिस कर्मियों की जान बचाने के लिए प्रभारी निरीक्षक को हवा में गोलियां चलानी पड़ी थीं। पिकअप वाहनों को तुलसीपुर थाने लाकर सील कर दिया गया था। मवेशियों को गुलरिहा घाट के ग्रामीणों के सुपुर्द किया गया था। घटना को पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने गंभीरता से लिया था। उन्होंने तस्करों को पकड़वाने की जिम्मेदारी अपर पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार तिवारी व क्षेत्राधिकारी राकेश कुमार सिंह को दी थी। वे लगातार घटना का राजफास करने के लिए मॉनिटरिंग में लगे थे।

सीएम योगी का निर्देश, जनता की समस्याओं का कराएं त्वरित और निष्पक्ष निस्तारण

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे जनता की समस्याओं का पारदर्शी और निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित कराएं। जनता की हर समस्या को संवेदनशीलता से लिया जाना चाहिए और उसके समाधान के लिए त्वरित प्रभावी कार्यवाही की जानी चाहिए। यह ध्यान रहे कि किसी के भी साथ अन्याय न होने पाए। जन समस्याओं के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही मिली तो संबंधित जिम्मेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई तय है। सीएम योगी ने ये निर्देश रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में आए लोगों की समस्याएं सुनने के दौरान दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में मुख्यमंत्री ने करीब 400 लोगों से मुलाकात की। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक खुद पहुंचे और समस्या सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए। ध्यान से उनकी बात सुनने के बाद पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने समस्या लोगों से कहा कि चिंता मत करिए, सबकी समस्या दूर करने के लिए सरकार संकल्पित है। हर पीड़ित व्यक्ति की शिकायत पर सुनिश्चित कार्रवाई करते हुए समस्या का समाधान कराया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अलग–अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। अपराध से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को दो निर्देशित किया कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भरपूर मदद देने का भरोसा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान रविवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन–पूजन करने, अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर मत्था टेकने के बाद सीएम योगी गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में उन्होंने गोवंश को खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया।

साइकिल चलाकर फिजियोथेरेपी के प्रति किया जागरूक

संवाददाता–महराजगंज। विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर केएमसी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल और नव्या इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को साइकिल रैली निकाली गई। फिजियोथेरेपी अनुभाग के छात्र–छात्राओं ने फिजियोथेरेपी के प्रति जागरूक किया। रैली को उप जिलाधिकारी सदर रमेश कुमार ने हरी झंडी दिखाकर केएमसी मेडिकल कॉलेज से रवाना किया। सुबह आठ बजे से केएमसी मेडिकल कॉलेज एंड हास्पिटल से रैली निकली तो स्टेडियम तक पहुंची। रैली में शामिल छात्र–छात्राओं ने लोगों को स्वस्थ रहने के प्रति जागरूक किया। फिजियोथेरेपी से जुड़े स्लोगन के माध्यम से जागरूकता का संदेश दिया गया। डॉ. देव, डॉ. भानुप्रिया, जीतू मेधवाल और एडमिन संतोष श्रीवास्तव, रेखा श्रीवास्तव की ओर से मशाल जलाकर प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाया गया। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन सतर्क रहा। साइकिल रैली समाप्त होने के बाद मेडिकल कॉलेज के सभागार में गोष्ठी का आयोजन हुआ। यहां सभी छात्र–छात्राओं को सहभागिता प्रमाणपत्र वितरित किया। फिजियोथेरेपी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. डीके कुशवाहा ने बताया कि विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर निर्धारित थीम लोअर बैक पेन के प्रति लोगों को जागरूक किया।

रैली के पीछे का उद्देश्य जन–जन की जागरुकता और फिजिकल एक्टिविटीज को बढ़ावा देना है। आज के समय में सभी मानसिक परिश्रम तो कर रहे हैं लेकिन शारीरिक परिश्रम की तरफ किसी का ध्यान नहीं है, जिसके कारण विभिन्न तरह की शारीरिक समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। साइकिल चलाना अपने आप में एक व्यवस्थित व्यायाम है जो की शरीर को दुरुस्त रखने में मदद करता है। इस दौरान रुक्मणी, सोनम, रेनू, पूजा, विनय, लक्ष्मी, किरण, उषा, अंजूम, संजना, दीपचंद, सोफिया, प्रिया, दिनेश मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन फिजियोथैरेपी विभाग के छात्र आरिफ और ज्योति ने किया।

डीएम ने भिनगा देहात व राजापुर रानी में की स्टाम्प की जांच

संवाददाता –श्रावस्ती। डीएम ने मौके पर पहुंचकर स्टाम्प की जांच की। साथ ही मिलाकन स्टाम्प का सत्यापन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्टाम्प की चोरी पर अंकुश लगाने के लिए समय समय पर जांच करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने रविवार को तहसील भिनगा के ग्राम भिनगा देहात व राजापुररानी में मौके पर पहुंचकर बड़े मालियत भूमि की स्टाम्प की जांच की। साथ ही स्टाम्प का मिलान कर सत्यापन किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने स्टाम्प जांच से सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी स्थिति में कोई भी स्टाम्प की चोरी न करने पाए। इसके लिए समय–समय पर आकस्मिक जांच कर स्टाम्प का मिलान अवश्य किया जाय। जांच के दौरान यदि स्टाम्प की कमी पायी जाती है तो सम्बन्धित के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही भी की जाय।

शिक्षकों को संरक्षण दे राज्य सरकार

संवाददाता–महराजगंज। परिषदीय स्कूलों में कार्यरत शिक्षक व शिक्षिकाओं ने रविवार को केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी को उनके धनेवा स्थित आवास पर पहुंचकर ज्ञापन दिया। उन्होंने संरक्षण देने की मांग की। साथ ही शिक्षकों की मांग को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का अनुरोध किया। शिक्षकों ने 69000 शिक्षक भर्ती के संबंध में ज्ञापन दिया। कहा कि शिक्षकों को राज्य सरकार संरक्षण प्रदान करे। राज्यमंत्री ने शिक्षकों से कहा कि यह मामला उच्चतम न्यायालय में चल रहा है तो शिक्षकों ने कहा कि हमारी समस्या मुख्यमंत्री तक पहुंचे, जिससे शिक्षकों को सरकार व न्यायालय का संरक्षण प्राप्त हो सके। इस भर्ती में कई शिक्षक अन्य विभाग की नौकरी से त्यागपत्र देकर आए हैं तथा कुछ तो निर्धारित आयु सीमा भी पूरी कर चुके हैं। कई शिक्षकों पर ऋण का बोझ भी है। चयनित शिक्षकों के चयन सूची से बाहर किए जाने पर उनके भविष्य पर संकट आ जाएगा। ऐसी दशा में उक्त मामले का निस्तारण विधि विशेषज्ञ अथवा किसी उच्च स्तरीय समिति के माध्यम से कराया जाए। ज्ञापन देने वालों में मोनिका शर्मा, अनामिका मिश्र, अंजुम, पार्वती, साकेत जैन, रजत, कीर्तिमान पांडेय, रोहित, नंदन शाही, काजल सिंह, पुनीत श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

यूपीएस है एनपीएस का रूप, सिर्फ ओपीएस ही मान्य –दिलीप

संवाददाता–बलरामपुर। जिला पंचायत कैंपस के नॉर्मल स्कूल प्रांगण में बिशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन जिला इकाई की बैठक आयोजित हुई। जिसमें शिक्षकों के विभिन्न समस्याओं को लेकर चर्चा की गई है। बैठक की अध्यक्षता विशिष्ट बीटीसी शिक्षक एसोसिएशन के प्रांतीय कोषाध्यक्ष/मंडल अध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद दिलीप चौहान एवं संचालन जिला मंत्री तुलाराम गिरी ने किया। शिक्षकों के विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करते हुए जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार शुक्ला एवं जिला मीडिया प्रभारी निर्मल द्विवेदी ने कहा कोई भी शिक्षकध्कर्मचारी यूपीएस को स्वीकार नही करेगा। सरकार ने एनपीएस का नाम बदलकर शिक्षकों के साथ छलावा किया है जो कतई स्वीकार नहीं है। हम सबका एक ही लक्ष्य है, पुरानी पेंशन सिर्फ और सिर्फ पुरानी पेंशन। जब तक सरकार पुरानी पेंशन बहाल नहीं करती अगली रणनीति के तहत आन्दोलन जारी रहेगा। बैठक का संचालन कर रहे जिला महामंत्री तुलाराम गिरी एवं उपाध्यक्ष डॉ उत्तम चंद्र गुप्ता ने कहा कि सरकार हमारी हूबहू पुरानी पेंशन बहाल करे। अन्य कोई पेंशन मंजूर नहीं किया जाएगा। सरकार हम सबको पेंशन के नाम पर गुमराह न करे। पुरानी पेंशन बहाल कर अपनी भूल को स्वीकार करें। इस अवसर पर संरक्षक राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, कोषाध्यक्ष मसूद आलम अंसारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुभाष चन्द्र मिश्रा, प्रवक्ता डा उत्तम चन्द्र गुप्ता, संयुक्त मंत्री विनोद चौहान, राघवेन्द्र प्रताप मिश्रा, शिवाकांत मैन्द्र गुप्ता, जटा शंकर यादव, बृजेन्द्र दूबे, अमरजीत, अंशुमान शुक्ला, चन्द्रेश मिश्रा, शंकर शुक्ला व प्रदीप चौहान आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

क्षमा की धरती को उर्वरा बनाते हैं मैत्री के फूल

जैनधर्म की त्याग प्रधान संस्कृति में पर्युषण पर्व का अपना अपूर्व एवं विशिष्ट आध्यात्मिक महत्व है। यह एकमात्र आत्मशुद्धि का प्रेरक पर्व है। इसीलिए यह पर्व ही नहीं, महापर्व है। संपूर्ण जैन समाज इस पर्व के अवसर पर जागृत एवं साधनारत हो जाता है। आठ दिनों की कठोर साधना के बाद मैत्री दिवस का आयोजन होता है। पर्युषण पर्व का हृदय है–'क्षमापना दिवस' जिसे मैत्री दिवस भी कहते हैं। इस दिन अपनी भूलों या गलतियों के लिए क्षमा मांगना एवं दूसरों की भूलों को भूलना, माफ करना, यही इस पर्व को मनाने की सार्थकता सिद्ध करता है। यदि कोई व्यक्ति इस दिन भी दिल में उलझी गांठ को नहीं खोलता है, तो वह अपने सम्यग्दर्शन की विशुद्धि में प्रश्न चिन्ह खड़ा कर लेता है। क्षमायाचना करना, मात्र वाचिक जाल बिछाना नहीं है। परंतु क्षमायाचना करना अपने अंतर को प्रसन्नता से भरना है। बिछुड़े हुए दिलों को मिलाना है, मैत्री एवं करुणा की स्रोतस्विनी बहाना है। मैत्री पर्व का दर्शन बहुत गहरा है। मैत्री तक पहुंचने के लिए क्षमायाचना की तैयारी जरूरी है। क्षमा लेना और क्षमा देना मन परिष्कार की स्वस्थ परम्परा है। क्षमा मांगने वाला अपनी कृत भूलों को स्वीकृति देता है और भविष्य में पुनः न दुहराने का संकल्प लेता है जबकि क्षमा देने वाला आग्रह मुक्त होकर अपने ऊपर हुए आघात या हमलों को बिना किसी पूर्वाग्रह या निमित्तों को सह लेता है। क्षमा ऐसा विलक्षण आधार है जो किसी को मिटाता नहीं, सुधरने का मौका देता है। भगवान महावीर ने कहा–'अहो ते खंति उत्तमा'–क्षांति उत्तम धर्म है। 'तितिक्खं परमं नच्चा'–तितिक्षा ही जीवन का परम तत्व है, यह जानकर क्षमाशील बनो। पयुर्षण महापर्व से जुड़ा मैत्री पर्व मानव–मानव को जोड़ने व मानव हृदय को संशोधित करने का पर्व है, यह मन की खिड़कियों, रोशनदानों व दरवाजों को खोलने का पर्व है, जो एकाग्रता एवं एकांत आध्यात्मिक जिज्ञासाएं जगाकर एक समृद्ध एवं अलौकिक अनुभव तक ले जाता है। इस भीड़भाड़ से कहीं दूर सबसे पहली जो चीज व्यक्ति इस पर्युषण की साधना से सीखता है वह है –'अनुशासनयुक्त मैत्रीमय जीवन।' यह विलक्षण साधना तनावमुक्ति का विशिष्ट प्रयोग है जिससे शरीर को आराम मिलता है, अपने आपको, अपने भीतर को, अपने सपनों को, अपनी आकांक्षाओं तथा उन प्राथमिकताओं को जानने का यह अचूक तरीका है, जो घटना–बहुल जीवन की दिनचर्या में दब कर रह गयी है। इस दौरान परिवर्तन के लिये कुछ समय देकर हम अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकते हैं तथा साथ ही इससे अपनी आंतरिक प्रकृति को समझ सकते हैं, उसे उन्नत एवं समृद्ध बना सकते हैं। भगवान महावीर ने क्षमा यानि समता का जीवन जीया। वे चाहे कैसी भी परिस्थिति आई हो, सभी परिस्थितियों में सम रहे। ''क्षमा वीरो का भूषण है''–महान् व्यक्ति ही क्षमा ले व दे सकते हैं। पर्युषण पर्व क्षमा के आदान–प्रदान का पर्व है। इस दिन सभी अपनी मन की उलझी हुई ग्रंथियों को सुलझाते हैं, अपने भीतर की राग–द्वेष की गांठों को खोलते हैं वह एक दूसरे से गले मिलते हैं। पूर्व में हुई भूलों को क्षमा के द्वारा समाप्त करते हैं व जीवन को पवित्र बनाते हैं। पर्युषण महापर्व का समापन मैत्री दिवस के साथ होता है। इस तरह से पर्युषण महापर्व एवं क्षमापना दिवस– यह एक दूसरे को निकटता में लाने का पर्व है। यह एक दूसरे को अपने ही समान समझने का पर्व है। गीता में भी कहा है –'आत्मौपम्येन सर्वत्र:, समे पश्यति योर्जुन''–श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा–हे अर्जुन ! प्राणीमात्र को अपने तुल्य समझो। भगवान महावीर ने कहा–''मित्ती में सव्व भूएसु, वेरंमज्झण केणइ'' सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ वैर नहीं है। मानवीय एकता, शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व, मैत्री, शोषणविहीन सामाजिकता, नैतिक मूल्यों की स्थापना, अहिंसक जीवन, आत्मा की उपासना शैली का समर्थन आदि तत्त्व इस पर्व के मुख्य आधार हैं। ये तत्त्व जन–जन के जीवन का अंग बन सके, इस दृष्टि से इस महापर्व को जन–जन का पर्व बनाने के प्रयासों की अपेक्षा है। पर्युषण पर्व आत्म उन्नति, अहिंसा, शांति और मैत्री का पर्व है। अहिंसा और मैत्री के द्वारा ही शांति मिल सकती है। आज जो हिंसा, युद्ध, आतंक, आपसी–द्वेष, नक्सलवाद एवं भ्रष्टाचार जैसी ज्वलंत समस्याएं न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए चिंता का बड़ा कारण बनी हुई है और सभी कोई इन समस्याओं का समाधान चाहते हैं। उन लोगों के लिए मैत्री पर्व एक प्रेरणा है, पाथेय है, मार्गदर्शन है और अहिंसक–निरोगी–शांतिमय जीवन शैली का प्रयोग है। आज भौतिकता एवं स्वार्थपूर्ण जीवन की चकाचौंध में, भागती जिंदगी की अंधी दौड़ में इस पर्व की प्रासंगिकता बनाये रखना ज्यादा जरूरी है। इसके लिए जैन समाज संवेदनशील बने विशेषतः युवा पीढ़ी मैत्री पर्व की मूल्यवत्ता से परिचित हो और वे आत्मचेतना को जगाने वाले इन दुर्लभ क्षणों से स्वयं लाभान्वित हो और जन–जन के सम्मुख मैत्री का एक आदर्श प्रस्तुत करे। तथागत बुद्ध ने कहा–क्षमा ही परमशक्ति है। क्षमा ही परम तप है। क्षमा धर्म का मूल है। क्षमा के समकक्ष दूसरा कोई भी तत्व हितकर नहीं है। क्योंकि प्रेम, करुणा और मैत्री के फूल सहिष्णुता और क्षमा की धरती पर ही खिलते हैं। 'सबके साथ मैत्री करो' यह कथन बहुत महत्त्वपूर्ण है किंतु हम वर्तमान संबंधों को बहुत सीमित बना लेते हैं। दर्द सबका एक जैसा होता है, पर हम चेहरों को देखकर अपना–अपना अन्दाज लगाते हैं। यह स्वार्थपरक व्याख्या हमें प्रेम से जोड़ सकती है मगर करुणा से नहीं। प्रेम में स्वार्थ है, राग–द्वेष के संस्कार है, जबकि करुणा परमार्थ का पर्याय बनती है। कहा जाता है–'वसुधैव कुटुम्बकम्' वसुधा कुटुम्ब है, परिवार है। 'मित्ती में सव्व भूएसु वेरं मज्झ न केणई'– यह सार्वभौम अहिंसा एवं सौहार्द का ऐसा संकल्प है जहां वैर की परम्परा का अंत होता है। तथागत बुद्ध ने कहा–क्षमा ही परमशक्ति है। क्षमा ही परम तप है। क्षमा धर्म का मूल है। क्षमा के समकक्ष दूसरा कोई भी तत्व हितकर नहीं है।

विकिपीडिया का विवादों से पुराना नाता

प्रेम शर्मा

इंटरनेट, 1965 का एक बहुत ही जटिल और क्रांतिकारी आविष्कार है, जिसने हमारी दुनिया को बदल दिया है। इंटरनेट को ष्एक वैश्विक संचार नेटवर्क के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसमें हजारों नेटवर्क शामिल हैं जो आमतौर पर फाइबर ऑप्टिक केबलिंग द्वारा परस्पर जुड़े होते हैं ै। मगर इसके समांतर सच यह भी है कि इंटरनेट की विस्तृत और एक अर्थ में कहें तो असीमित दुनिया में किसी खास विषय पर मौजूद जानकारी को पूरी तरह सही मान लेना अब एक जोखिम भरा काम हो गया है। शायद यही वजह है कि अब इंटरनेट पर खोजे गए किसी तथ्य की कई–कई स्रोतों से जांच और पुष्टि करने की जरूरत पड़ने लगी है। दरअसल, किसी खास मुद्दे पर जानकारी मुहैया कराने वाली कुछ वेबसाइटें अपनी सामग्री ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाती हैं, मगर उसके सही होने को लेकर कोई ठोस आश्वासन नहीं होता। इस संदर्भ में विकिपीडिया को देखा जा सकता है, जहां किसी संदर्भ में कई बार विस्तृत जानकारी रहती है, मगर उसे तैयार करने से लेकर संपादित करने का जो ढांचा बनाया गया है, उसमें कब लिए कोई भ्रामक जानकारी दे दी जाए, कहा नहीं जा सकता। यहॉ दिल्ली हाईकोर्ट ने द्वारा लोकप्रिय और मुफ्त ऑनलाइन विश्वकोश विकिपीडिया को समाचार एजेंसी एएनआई की एंट्री में किए गए संपादन में जानकारी छिपाने के मामले में न्यायालय की अवमानना जारी करते हुए कोर्ट ने विकिपीडिया को भारतीय कानूनों का पालन न करने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि, यदि आपको भारत पसंद नहीं है, तो कृपया भारत में काम न करें... हम सरकार से आपकी साइट को ब्लॉक करने के लिए कहेंगे।यह मामला एक समाचार एजंसी से जुड़ा है, जिसमें एजंसी ने विकिपीडिया पर उसके बारे में गलत जानकारी देने, कुछ पेज संपादित करने की इजाजत देने का आरोप लगाया गया है। यही नहीं, एजंसी को सरकार की ओर से झूठा प्रचार करने वाला औजार भी बताया गया। किसी वैश्विक संस्थान पर इतनी बड़ी टिप्पणी यू ही नही की गई है। यह तो तय है कि आज के समय पर वीकिपीडिया हर क्षेत्र के लिए ज्ञान का भण्डार है। प्रतियोगी परीक्षा से लेकर पढ़ाई व हर क्षेत्र में वीकिपीडिया का अपना महत्व है। इससे लोगों का भविष्य जुड़ा हैं। लेकिन गैर संपादित और अनर्गल जानकारी के कारण इसका विरोध किया जाता है तो यह जायज है। क्योकि गलत या असंपादित जानकारी ज्ञान की जगह अज्ञानता का प्रतीक बन जाती है। ऐसे में अगर ऑख बंद करके केवल वीकिपीडिया की जानकारी पर भरोसा किया जाएगा तो काफी हानिकारक हो सकता है। बहरहाल विकिपीडिया का विवादों से पुराना नाता रहा है। भले ही यह प्लेटफॉर्म दावा करता है कि कंटेंट का रिव्यू किया जाता है, लेकिन इसके कई पेजों में ऐसा कंटेंट पाया गया जो विवाद की वजह बना. पैगम्बर मोहम्मद, संयुक्त राज्य अमेरिका,खतना, यीशू, जाति और बुद्धिमता ऐसे कई पेज रहे हैं जिन पर विवादास्पद कंटेंट मिला। यही नही विकिपीडिया पर आरोप लगते रहे हैं कि यह भेदभाव करता है. इसके लिए दुनियाभर के वॉलंटियर लिखते हैं. ऐसे में सभी आर्टिकल को पढ़ना और यह जांचना मुश्किल है कि वो न्यूट्रल लिख रहे हैं या फैक्चुअल या फिर भेदभावपूर्ण तरीके से अपनी बात कह रहे हैं। विकिपीडिया पर गलत जानकारी देने के भी आरोप लगते रहे हैं ऐसा इसलिए क्योंकि कोई भी यूजर इसके आर्टिकल को एडिट कर सकता है. कई बार ये प्रैंक या जानबूझकर गलत जानकारी देने के लिए करते हैं। यही नही जनवरी 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि विकिपीडिया जैसे ऑनलाइन स्रोत क्राउड सोर्स्ड और यूजर जेनरेटेड एडिटिंग मॉडल पर आधारित हैं। यह पूरी तरह से भरोसेमंद नहीं हैं और भ्रामक जानकारी को बढ़ावा दे सकते हैं। जस्टिस सूर्यकांत और विक्रम नाथ की पीठ ने कहा कि यह उन प्लेटफार्मों की उपयोगिता को स्वीकार करता है जो दुनिया भर में ज्ञान तक मुफ्त पहुंच प्रदान करते हैं। मगर, कानूनी विवाद समाधान के लिए उन्होंने ऐसे स्रोतों का उपयोग करने के प्रति आगाह भी किया।कहा, "ज्ञान का खजाना होने के बावजूद हम ऐसा इस कारण से कहते हैं कि ये स्रोत क्राउड यानी भीड़ से मिली जानकारी और यूजर द्वारा उत्पन्न एडिटिंग मॉडल पर आधारित हैं। अकादमिक सत्यता के मामले में यह पूरी तरह से भरोसेमंद नहीं हैं। लिहाजा ये भ्रामक जानकारी को बढ़ावा दे सकते हैं।"विकिपीडिया को 2001 में अंग्रेजी में लॉन्च किया गया था, लेकिन आज यह 345 भाषाओं में उपलब्ध है. साल 2003 में इसे हिन्दी में लॉन्च किया गया. वर्तमान में विकिपीडिया पर कुल 6,878,780 आर्टिकल हैं। इंटरनेट की विस्तृत और जटिल दुनिया में किसी संदर्भ के सही या गलत होने की जांच करना और उसके तटस्थ होने को लेकर आश्वस्त होना बेहद मुश्किल काम हो जाता है।इस संदर्भ में विकिपीडिया को देखा जा सकता है, जहां किसी संदर्भ में कई बार विस्तृत जानकारी रहती है, मगर उसे तैयार करने से लेकर संपादित करने का जो ढांचा बनाया गया है, उसमें कब कोई भ्रामक जानकारी दे दी जाए, कहा नहीं जा सकता। इंटरनेट की विस्तृत और जटिल दुनिया में किसी संदर्भ के सही या गलत होने की जांच करना और उसके तटस्थ होने को लेकर आश्वस्त होना बेहद मुश्किल काम हो जाता है। दुनिया भर में लाखों लोग रोजाना विकिपीडिया का इस्तेमाल करते हैं।इस वेबसाइट पर कोई भी व्यक्ति किसी जानकारी को अद्यतन या उसमें फेरबदल कर गलत जानकारी दर्ज कर सकता है। इस वजह से आए दिन विकिपीडिया के पेज पर मौजूद जानकारियों को लेकर विवाद उभरते रहते हैं। इसके बावजूद विकिपीडिया में इसे सुधारने को लेकर गंभीरता नहीं दिखती। जबकि सिर्फ एक भ्रामक या गलत जानकारी की वजह से किसी व्यक्ति या संस्था को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है, जिसकी भरपाई मुश्किल हो सकती है।

पौधे ही सर्वोत्तम गिफ्ट

साधना वैद

पश्चिमी सभ्यता का अनुकरण करते–करते किसी भी समारोह में फूलों का गुलदस्ता देना अब बहुत अधिक प्रचलन में आ गया है। किसी के प्रति अपनी सद्भावना एवं आदर भाव को व्यक्त करने के लिए यह एक सर्वमान्य, सुन्दर, सुरुचिपूर्ण एवं स्वस्थ परम्परा है। अंग्रेज़ी में एक मुहावरा भी है, 'से इट विद फ्लावर्स', लेकिन इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि इन फूलों का जीवन बहुत अल्पावधि का होता है और दो–तीन दिन बाद ही ये सारे सुन्दर फूल कूड़े के ढेर पर फेंक दिए जाते हैं, साथ ही हज़ारों रुपये भी कूड़े के ढेर को समर्पित हो जाते हैं। फूलों के स्थान पर सब्जियां देने का प्रस्ताव भी मुझे कुछ विशेष अच्छा नहीं लगा। आजकल समाज में प्रायरू परिवार बहुत छोटे–छोटे हो गए हैं। किसी समारोह में अगर दस–पंद्रह लोगों ने भी सब्जी की बास्केट उपहार में दे दी तो उपहार पाने वाले के सामने कितनी बड़ी समस्या खड़ी हो जायेगी उन्हें इस्तेमाल करने की। कोई बड़ा कलाकार हुआ तो उसे तो सब्जी की दुकान लगाने की आवश्यकता पड़ जायेगी। छोटे से परिवार में फल–फ्रूट या सब्जी की खपत ही कितनी होती है। एक तो समारोह स्थल से घर ले जाने की समस्या फिर ज़रा सोचिये उनके घर में 25–30 किलो सब्जी और फल आ जायेंगे तो वे क्या करेंगे। फूल तो मुरझाने के बाद फेंक भी दिए जाते हैं लेकिन फल और सब्जियों को तो फेंकना भी गवारा नहीं होगा न ही इतनी खाई जा सकेंगी। मोहल्ले पड़ोस में

पर्यटन विभाग ने जारी किया आंकड़ा, प्रदेश में घूमने के लिए आए 33 करोड़ पर्यटक

उत्तर प्रदेश वैश्विक स्तर पर पर्यटनहब के रूप में उभरा : जयवीर सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में फिर नया कीर्तिमान रचने के लिए तैयार है। मौजूदा वर्ष के बीते छह माह में लगभग 33 करोड़ पर्यटकों ने यहां का रुख किया। अयोध्या ने काशी को भी पीछे छोड़ दिया। यहां छह माह में लगभग 11 करोड़ लोग पहुंचे। वर्ष 2022 में प्रदेश में जितने पर्यटक आए थे, उससे एक करोड़ से भी अधिक इस वर्ष शुरुआती छह माह में पहुंचे। इसी तरह, वर्ष 2023 के शुरुआती छह माह में आए पर्यटकों की संख्या से 13 करोड़ से भी अधिक है। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में हाल के वर्षों में पर्यटन बहुत तेजी से बढ़ा है। इस वर्ष अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के विराजमान होने के बाद पर्यटकों का आगमन तेजी से बढ़ा है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि छह माह में कुल 32 करोड़ 98 लाख 18 हजार 122 पर्यटक यूपी में भ्रमण के लिए आए, जबकि वर्ष 2022 में पूरे एक वर्ष में लगभग 31 करोड़ 86 लाख पर्यटक आए थे। इसी तरह बीते वर्ष के शुरुआत छह माह में 19 करोड़ 60 लाख 34 हजार 967 पर्यटक आए थे। यानी बीते वर्ष की तुलना में इस साल 13 करोड़ 37 लाख 83 हजार 155 पर्यटक अधिक आए थे। इस वर्ष उत्तर प्रदेश आने वाले कुल पर्यटकों में 32 करोड़ 87 लाख 81 हजार 348 घरेलू, जबकि 10 लाख 36 हजार 774 विदेश से आए पर्यटक हैं। जयवीर सिंह ने बताया कि प्रदेश में सबसे ज्यादा पर्यटक अयोध्या पहुंचे हैं। छह माह में 109969702 घरेलू, 2851 विदेशी यानि कुल 109972553 पर्यटक आए थे। वाराणसी में 45982313 घरेलू 133999 विदेशी 46116312 कुल पर्यटक आए। प्रयागराज में 45394772 घरेलू 3668 विदेशी 45398440 कुल पर्यटक आए। मथुरा में 30702513 घरेलू 49619 विदेशी 30752132 कुल पर्यटक आए। लखनऊ में 3506981 घरेलू 7108 विदेशी 3514089 कुल पर्यटक आए। आगरा में 6984352 घरेलू और 703860 विदेशी अर्थात कुल 7688212 पर्यटक आए। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि, श्उत्तर प्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। यहां निरंतर पर्यटन स्थलों और पर्यटक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है।

कई पीसीएस अधिकारियों के तबादले, पेपर लीक मामले की आरोपी अंजू कटियार बनीं राजस्व परिषद में ओएसडी

लखनऊ। यूपी में रविवार की सुबह कई पीसीएस अधिकारियों के तबादले हुए।अंजू कटियार को राजस्व परिषद में ओएसडी बनाया गया है। अंजू कटियार यूपीपीएससी द्वारा आयोजित एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती परीक्षा में पेपर लीक होने के

मामले की आरोपी हैं। तब अंजू कटियार आयोग में परीक्षा नियंत्रक थीं। मामले में आने के बाद वह निलंबित और गिरफ्तार हो गईं थीं। आठ माह जेल में रहने के बाद जमानत पर बाहर हैं। अब उन्हें यह पद दिया गया है।

संजीव ओझा प्रयागराज मेला प्राधिकरण बनाए गए। महेंद्र कुमार श्रीवास्तव राज्य चीनी निगम मुंडेरवा बनाए गए। इसी तरह अरुण कुमार को एडीएम बदायूं बनाया गया।देवेंद्र पाल सिंह को सिटी मजिस्ट्रेट बदायूं बनाया गया। शशि भूषण को अपर आयुक्त मुरादाबाद मंडल बनाया गया। सुभाष चंद्र यादव को एडिशनल कमिश्नर वाराणसी मंडल बनाया गया है।अजय कुमार तिवारी को सीआरओ प्रतापगढ़ बनाया गया है। भगवान शरण को एडिशनल कमिश्नर चित्रकूट धाम मंडल बनाया गया है। रमेश यादव को अपर आयुक्त सहारनपुर मंडल बनाया गया है।प्रियंका को अपर आयुक्त झांसी मंडल बनाया गया है। शमशाद हुसैन को अपर आयुक्त आजमगढ़ मंडल बनाया गया है । राकेश कुमार गुप्ता को आयुक्त वाराणसी मंडल बनाया गया है। प्रदेश में शुक्रवार रात 13 नहीं, बल्कि 29 आईएएस अफसरों के तबादले हुए थे। नियुक्ति विभाग ने शनिवार सुबह मीडिया को सूची जारी की। लखनऊ के डीएम सूर्य पाल गंगवार और बुलंदशहर के डीएम सीपी सिंह का तबादला नहीं हुआ है। वे अपने पद पर बने रहेंगे। राज्य सरकार ने शुक्रवार रात 13 जिलों के डीएम समेत 29 आईएएस अधिकारियों की जिम्मेदारी में बदलाव किया था। जारी सूची के अनुसार, हमीरपुर के डीएम राहुल पांडेय को हाथरस में इसी पद पर भेजा गया है। राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के निदेशक अंजनी कुमार सिंह को मैनपुरी का डीएम बनाया गया है। शाहजहांपुर के डीएम उमेश प्रताप सिंह को विशेष सचिव भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग, अमरोहा के डीएम राजेश कुमार त्यागी को विशेष सचिव पंचायतीराज, हाथरस के डीएम आशीष कुमार को विशेष सचिव स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग एवं अपर महानिरीक्षक निबंधन और मेरठ के नगर आयुक्त अमित पाल को उपाध्यक्ष प्रयागराज विकास प्राधिकरण के पद पर तैनाती दी गई है। विशेष सचिव भूतत्व एवं खनिकर्म डॉ. मन्नान अख्तर को विशेष सचिव चिकित्सा शिक्षा एवं प्रबंध निदेशक, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रोमोट फार्मा बनाया गया है। अयोध्या के सीडीओ ऋषि राज को नगर आयुक्त फिरोजाबाद, बलरामपुर के सीडीओ संजीव कुमार मौर्या को नगर आयुक्त बरेली, सोनभद्र के सीडीओ सौरव गंगवार को नगर आयुक्त मेरठ, आगरा के संयुक्त मजिस्ट्रेट कृष्ण कुमार सिंह को अयोध्या का सीडीओ, प्रयागराज की संयुक्त मजिस्ट्रेट जागृति अवस्थी को सोनभद्र का सीडीओ और उन्नाव के संयुक्त मजिस्ट्रेट हिमांशु गुप्ता को बलरामपुर का सीडीओ बनाया गया है। फतेहपुर की डीएम सी इंदुमती को विशेष सचिव चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग, विशेष सचिव नगर विकास विभाग धर्मेंद्र प्रताप सिंह को शाहजहांपुर का डीएम, आजमगढ़ के डीएम विशाल भारद्वाज को कुशीनगर का डीएम बनाया गया है।

रविंद्र को मंडी परिषद और भानुचंद्र को चकबंदी आयुक्त का प्रभार

प्रमुख सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग रविंद्र को वर्तमान पद के साथ निदेशक राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। आगरा के डीएम भानु चंद्र गोस्वामी प्रभारी चकबंदी आयुक्त, प्रभारी राहत आयुक्त और विशेष सचिव राजस्व बनाए गए हैं। सचिव राजस्व, राहत आयुक्त और चकबंदी आयुक्त नवीन कुमार जीएस को सचिव सिंचाई के पद पर तैनाती मिली है।

भाजपा सदस्यता अभियान के गति देने के लिए मंडल, बूथ और शक्ति केंद्रों पर कार्यक्रम आयोजित

लखनऊ।आज विशेष सदस्यता अभियान के अंतर्गत जनपद अम्बेडकर नगर कटेहरी विधानसभा में पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा रामाशंकर सिंह द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जनसंपर्क कर नए सदस्य बनाया गया । आगामी उपचुनाव में कटेहरी विधानसभा से भाजपा को विजय बनाने की अपील की। भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान से जुड़ने के लिए लोगों का उत्साह व उमंग अभिभूत करने वाला है। नीरज सिंह ने कहा कि भाजपा का सदस्यता अभियान अब बूथ और शक्ति केन्द्र स्तर तक पहुंच गया है। इसमें कार्यकर्ताओं को नए सदस्यों के निर्माण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। मंडल पदाधिकारी सक्रियता से सदस्यता अभियान में गति देने का काम किया जाए। सदस्यता अभियान को व्यापक रुप देते हुए मंडल, बूथ स्तर पर कमेटियां बनाकर काम किया जा रहा है। सभी कार्यकर्ता अपने–अपने बूथ पर जाकर न्यूनतम 200 सदस्य बनाने हैं। इस क्रम में विधायक ने लोगों से भाजपा से जुड़कर भारत को और मजबूत बनाने की अपील की। प्रवास कार्यक्रम के दौरान ग्राम मसौडा जलालपुर जिला अम्बेडकर नगर में अंशुमान सिंह जी के आवास पर क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमित गुप्ता जी के साथ बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक, मंडल अध्यक्ष के साथ सदस्यता अभियान की समीक्षा बैठक करी व महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करी।। अम्बेडकर नगर में मुड़ेहरा निषाद बस्ती बूथ संख्या 372 पर घर घर जाकर जनसंपर्क कर बड़ी संख्या में लोगों भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई साथ मे क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवध क्षेत्र अमित गुप्ता, अंशुमान सिंह,मंडल अध्यक्ष राजराम मौर्य जी, रोशन,रविंदर सिंह, बूथ अध्यक्ष पप्पू निषाद प्रमुख रुप से उपस्थित रहे। प्रवास के दौरान उक्त कार्यक्रम में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमित गुप्ता जी,जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा साधु जी,यमुना प्रसाद चतुर्वेदी जी,आन्नद वर्मा जी,अंशुमान सिंह जी,सुभाष वर्मा जी, भारती सिंह जी, विनय पांडेय जी,विजय नारायण शुक्ला जी,लाल बहादुर पाल जी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

घर से भागी पत्नी को पति ने पकड़ा,सड़क पर हाई–वोल्टेज ड्रामा

लखनऊ(संवाददाता)। जानकीपुरम इलाके की रहने वाली एक महिला 4 दिन पहले घर से भाग गई थी। महिला का पति उसकी तलाश कर रहा था। लखनऊ के अवध बस स्टैंड के पास पत्नी को देख लिया। उसे पकड़ा और घर चलने के लिए कहा तो पत्नी ने सड़क पर ही हाई वोल्टेज ड्रामा शुरू कर दिया। घटना शुक्रवार शाम करीब 4 बजे की है। पति ने पकड़ा तो वह पत्थर चलाने लगी। गालियां देते हुए बोली– तेरी रखैल नहीं हूं। रखना है तो ढ़ंग से रख। तेरी और तेरे परिवार से मार खाने के लिए शादी नहीं की हूं।

इतना ही नहीं पत्नी बोली तू गर्ल्स समगलर गैंग का सदस्य है। पुलिस के सामने तेरी पोल पट्टी खोल दूंगी। पति बार–बार हाथ पकड़कर पत्नी को कार में बैठा रहा था। पत्नी जाने से इनकार कर रही थी। दोनों के बीच जमकर हाथापाई हुई। करीब 100 की संख्या में राहगीर और हाई कोर्ट के वकील पहुंच गए। सूचना के बाद मौके पर पुलिस पहुंची। दोनों को चिनहट थाने ले जाया गया है। पति ने बताया कि गुडंबा थाना क्षेत्र के जानकीपुरम सेक्टर–एच में हम लोग साथ में रहते थे। चार दिन पहले बिना बताए घर से भाग गईं। हमने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मैं इसे खोज रहा था। घर चलने को कहा तो हंगामा करने लगी। पति का कहना है कि घर में 4 साल का बच्चा है। वह मां के लिए रो रहा है। मैं एक दुकान चलाता हूं। ऐसे हाल में मैं अपने बच्चे को संभालूं या दुकान देखूं, ये सोचकर परेशान हूं। वहीं, महिला ने बताया कि मेरे पति और सास ससुर मेरे साथ मारपीट करते हैं। मैंने लंबे समय तक प्रताड़ना को बर्दाश्त किया, लेकिन अब मैं तंग आ चुकी हूं। घर छोड़ने के अलावा मेरे पास कोई रास्ता नहीं है। मौके पर पहुंची हाई कोर्ट की एक महिला वकील ने दोनों को समझाया। पति ने कहा अगर इसे अलग रहना है, तो लीगल तरीके से रहे। ऐसे बिना बताए घर से भाग जाती है।

तेज रफ्तार वाहन ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के बीकेटी थाना क्षेत्र में फिर दिखा तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। रात हुई इस घटना में मोटरसाइकिल को तेज रफ्तार अनियंत्रित अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर से मोटरसाइकिल सवार बालक की मौत हो गई। पिता घायल है। इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। जानकारी पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बीकेटी थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग लखनऊ सीतापुर रोड पर मोटरसाइकिल को तेज रफ्तार अनियंत्रित वाहन ने पीछे से जोरदार टक्कर मारी है। गुरुवार रात को हुई इस घटना में मोटरसाइकिल सवार आशीष कुमार उम्र लगभग 11 वर्ष और राज कुमार उम्र लगभग 35 वर्ष निवासी सरकपुर सरैंया थाना बख्शी का तालाब घायल हो गए। लोगों ने घायलों को इलाज के लिए बख्शी का तालाब क्षेत्र के साढामऊ में स्थित राम सागर मिश्र शौ शैय्या संयुक्त चिकित्सालय ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने आशीष कुमार को मृत घोषित कर दिया। राज कुमार का इलाज करने के बाद घर भेज दिया गया। शुक्रवार सुबह जानकारी पाकर मौके पर पहुंची बीकेटी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। राजकुमार अपने बेटे आशीष के साथ किसी काम से लखनऊ गए थे। यहां से देर रात वापस अपने घर सरकपुर सरैंया थाना बख्शी का तालाब जा रहे थे । तभी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मारी थी।

उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए अच्छी खबर, राजस्व विभाग में खुलने वाला है भर्तियों का पिटारा

(संवाददाता)

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लेखपाल, राजस्व निरीक्षक और नायब तहसीलदार के

साथ–साथ लिपिकीय संवर्ग के सभी रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए तत्काल प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा, तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक जैसे पदों के लिए जहां पदोन्नति लंबित है, वहां तत्काल प्रक्रिया पूरी की जाए। उन्होंने कहा है कि राजस्व विभाग सीधे तौर पर आम आदमी से जुड़ा हुआ है। आय, जाति और निवास प्रमाण पत्रों से लेकर पैमाइश, नामांकन, घरौनी, खतौनी, सर्वे, पट्टा सहित ढेरों महत्वपूर्ण प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण हो सके, इसके लिए न केवल विभाग के रिक्त पदों पर नई नियुक्ति की आवश्यकता है, बल्कि आवश्यकतानुसार नवीन पदों का सृजन किया जाए। यही नहीं, उन्होंने राजस्व परिषद के अंतर्गत बन्दोबस्त आयुक्त (ग्रामीण) बन्दोबस्त आयुक्त (नगरीय) तथा निदेशक प्रशिक्षण का नवीन पद सृजित करने की भी जरूरत बताई।

एक उच्चस्तरीय बैठक में राजस्व विभाग के कामकाज और उपलब्ध मानव संसाधन की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व विभाग और राजस्व परिषद में काम के बदलते स्वरूप और अधिकता को देखते हुए दक्ष युवाओं की तैनाती की जानी चाहिए। नवीनतम तकनीकों को अपनाने के लिए तहसील, जिला, मंडल और राजस्व परिषद में आई.टी. में दक्ष लोगों की तैनाती की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम जनता के कार्यों में राजस्व विभाग के कार्मिकों को प्रायः फील्ड विजिट करना पड़ता है। ऐसे में यह उचित होगा कि लेखपालों और राजस्व निरीक्षकों को वाहन भत्ता दिया जाना चाहिए। इसी तरह नायब तहसीलदार की कार्यक्षमता में बढ़ोतरी के लिए उन्हें चार पहिया वाहन की उपलब्धता कराई जाए। साथ ही, जीपीएस से संबंधित कार्यों के बेहतर संपादन के लिए लेखपालों और राजस्व निरीक्षकों को नए टैबलेट भी उपलब्ध कराए जाएं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आम जन से जुड़े कार्यों को समयबद्धता के साथ मेरिट के आधार पर निस्तारित किया जाए, अनावश्यक कहीं भी कोई प्रकरण लंबित न रहे। राजस्व कार्मिकों के प्रशिक्षण पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने राजा टोडरमल सर्वेक्षण भूलेख प्रशिक्षण संस्थान, हरदोई में आधारभूत अवसंरचना को और बेहतर करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद विभाग स्तर पर प्रस्ताव तैयार कर अग्रेतर कार्यवाही की जाएगी। बैठक में मुख्य सचिव, अध्यक्ष राजस्व परिषद, प्रमुख सचिव राजस्व सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही।

मेरठ-लखनऊ वंदे भारत को नहीं मिल रहे हैं यात्री, पैसेंजर की संख्या बढ़ाने के लिए वाराणसी तक होगा विस्तार

लखनऊ।मेरठ से लखनऊ के बीच शुरू हुई वंदे भारत ट्रेन को यात्री नहीं मिल रहे हैं। लगातार खाली जा रही

सीटों को देखते हुए रेलवे इस ट्रेन का विस्तार वाराणसी तक कर सकता है। मेरठ से लखनऊ के बीच चल रही वंदे भारत एक्सप्रेस को यात्री नहीं मिल रहे हैं। ऐसे में ट्रेन का विस्तार वाराणसी स्टेशन तक करने की तैयारी की जा रही है। इससे लखनऊ से वाराणसी जाने वाले यात्रियों को राहत हो जाएगी। साथ ही रेलवे की आमदनी भी बढ़ेगी।कुछ दिनों पहले ही मेरठ से लखनऊ के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन शुरू किया गया है। मेरठ– लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस मेरठ से सुबह 6:35 बजे चलकर दोपहर 1रू45 बजे चारबाग स्टेशन पहुंचती है। वापसी में चारबाग स्टेशन से दोपहर 2रू45 बजे चलकर रात दस बजे मेरठ पहुंचती है। ट्रेन में औसतन 60 से 65 प्रतिशत तक सीटें खाली चल रही हैं। टिकट महंगा होने के कारण यात्री रूट पर चलने वाली राज्यरानी एक्सप्रेस व नौचंदी को तरजीह दे रहे हैं।सेमी हाईस्पीड ट्रेन होने के बावजूद वंदे भारत को सात घंटे से अधिक का वक्त मेरठ की दूरी तय करने में लगता है। रेलवे बोर्ड के एक अफसर के मुताबिक ट्रेन को विस्तार देने की योजना बनाई जा रही है। इसके तहत ट्रेन को वाराणसी तक चलाया जा सकता है। इसके लिए फिजिबिलिटी चेक की जा रही है। माना जा रहा है कि ट्रेन के वाराणसी तक विस्तार से यात्रियों की संख्या बढ़ेगी। लखनऊ से वाराणसी के लिए अभी शटल ट्रेन, बरेली वाराणसी सहित कई ट्रेनें हैं, ऐसे में वंदे भारत का संचालन होने से यात्रियों को भी राहत होगी। साथ ही ट्रेन की ऑक्यूपेंसी 80 से 90 प्रतिशत तक पहुंच सकेगी और ट्रेन का संचालन मुनाफे में आ सकेगा।

इतनी सीटें चल रही हैं खाली

गाड़ी संख्या 22489 लखनऊ मेरठ वंदे भारत एक्सप्रेस की चेयरकार में 15, 16 व 18 सितंबर को क्रमशः 281, 289, 360 सीटें रिक्त हैं। जबकि किराया 1300 रुपये तक पहुंच गया है। वहीं, एग्जीक्यूटिव क्लास में इन्हीं तारीखों में क्रमशरू 30, 18, 26 सीटें रिक्त हैं। किराया 2365 रुपये है। ट्रेन नंबर 22453 राज्यरानी एक्सप्रेस की बात करें तो उसके चेयरकार, थर्ड व सेकंड एसी में 35 तक वेटिंग है। नौचंदी एक्सप्रेस की स्लीपर से लेकर एसी बोगियों तक में अगले तीन दिन वेटिंग चल रही है। सीटें रि प्रयागराज तक चले तो बने बात

दैनिक यात्री एसोसिएशन के अध्यक्ष एसएस उप्पल का कहना है कि पश्चिमी यूपी से इलाहाबाद उच्च न्यायालय आने–जाने वालों की सुविधा के लिए वंदे भारत का विस्तार प्रयागराज तक किया जाए तो बेहतर रहेगा। चूंकि वाराणसी के लिए काफी ट्रेनें हैं, इसलिए वंदे भारत को प्रयागराज तक चलाने पर विचार किया जाना चाहिए। इसके लिए समयसारिणी ऐसी होनी चाहिए, जिससे हाईकोर्ट जाने वालों को दिक्कतें न हों।

यूपी के मेडिकल कॉलेजों में दाखिला पाने के लिए हिंदू छात्र बने बौद्ध और जैन, इस तरह से आए पकड़ में

लखनऊ। यूपी में मेडिकल कॉलेज में सीट पाने के लिए फर्जीवाड़ा सामने आया है। अल्पसंख्यक कोटे का फायदा उठाने के लिए कई छात्र हिंदू से जैन और बौद्ध बन गए हैं। प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के वक्त अल्पसंख्यक कोटे का फायदा लेने के लिए तमाम हिंदू छात्र बौद्ध और जैन बन गए। इन छात्रों ने निर्धारित प्रक्रिया का भी पालन नहीं किया। मामला सामने आने के बाद अब नए सिरे से सभी के प्रमाण पत्रों की जांच शुरू कराई गई है। ऐसे में 17 छात्रों के अलावा अन्य छात्र भी कार्यवाही के दायरे में आ सकते हैं। प्रमाण पत्र जारी करने वाले विभागों को किया अलर्ट

17 छात्रों के फर्जी प्रमाण पत्र से दाखिला लेने का मामला सामने आने के बाद दूसरे चरण की काउंसिलिंग में विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। डीजीएमई ने गृह विभाग और अल्पसंख्यक विभाग में पूरे मामले की जानकारी दी है। इसके बाद अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति जनजाति सहित सभी प्रमाण पत्र जारी करने वाले विभागों को अलर्ट कर दिया गया है। अब नोडल सेंटरों पर प्रमाण पत्रों के सप्तापन में भी विशेष सावधानी बरती जाएगी। दाखिले के तत्काल बाद सभी प्रमाण पत्र जिलाधिकारी के माध्यम से तत्काल सत्यापित कराए जाएंगे।

कम मेरिट पर भी हो जाता है दाखिला

अल्पसंख्यक कोटे की सीटों पर कम मेरिट पर भी दाखिला हो जाता है। क्योंकि अल्पसंख्यक वर्ग के जितने छात्र मौजूद होंते हैं, उन्हीं के आधार पर कटऑफ मेरिट तैयार की जाती है। ऐसे में तमाम कम मेरिट वाले छात्र भी अल्पसंख्यक कॉलेजों के जरिएदाखिला पाने में कामयाब हो जाते हैं। अल्पसंख्यक कोटे के तहत संचालित होने वाले कॉलेजों के लिए अलग से गाइडलाइन बनी हुई है। इसके तहत केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय, राज्य के अल्पसंख्यक विभाग और डीजीएमई कार्यालय से पंजीयन होता है। पंजीयन के बाद वहांकी व्यवस्था के हिसाब से सीटें निर्धारित की जाती हैं।

महाकुंभ के दिव्य एवं भव्य आयोजन के लिए पर्यटन विभाग ने जोरदार तैयारी की : जयवीर सिंह

लखनऊ। महाकुंभ–2025 की मेजबानी के लिए प्रयागराज तैयार है। आस्था की डुबकी लगाने को श्रद्धालुओं में अभी से उत्साह है। चार महीने बाद देश–दुनिया से करोड़ों श्रद्धालु/पर्यटक संगमनगरी पहुंचेंगे। इसे ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) सुविधाओं की श्रृंखला विकसित कर रहा है। संगम तट पर अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित टेंट सिटी बसायी जाएगी। श्रद्धालुओं के ठहरने के साथ व्यवस्थित तरीके से स्नान, ध्यान, पूजा–अर्चना की व्यवस्था की जा रही है। आगंतुकों को यहां हेलीकॉप्टर भ्रमण, वाटर स्पोर्ट्स, एडवेंचर टूरिज्म व लजीज व्यंजन का आनंद लेने का मौका मिलेगा। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन की ओर से परेड मैदान में पहले की तरह पारंपिक टेंट सिटी बसायी जाएगी। टेंट सिटी तीन अलग–अलग श्रेणियों में बसायी जाएगी। विभाग की ओर से विला, महाराजा और स्विस कॉटेज में लोगों के रहने–खाने की रूपरेखा तैयार की गई है। इसके अलावा, अरैल व झूंसी में पीपीपी मोड पर टेंट सिटी बसायी जाएगी। झूंसी में ढाई एकड़ में टेंट सिटी का निर्माण होगा, जिसमें 200 कॉटेज तैयार होंगे। यहां सुपर डीलक्स, प्रिमियम, विला आदि श्रेणी में सुविधाएं मिलेंगी। अरैल में 25 एकड़ में सजने वाली टेंट सिटी में 2000 कॉटेज होंगे। यहां डीलक्स, सुपर डीलक्स और लग्जरी श्रेणी की सुविधाएं मिलेंगी।पर्यटन मंत्री ने बताया कि टेंट सिटी में श्रद्धालुओं के लिए कई विशेष व्यवस्था होगी। यहां आध्यात्मिक माहौल के साथ, योग, यज्ञ, प्रवचन, भजन संध्या, प्राकृतिक चिकित्सा, रिवर व्यू, सांस्कृतिक गतिविधियां, साइकिलिंग के साथ–साथ सोशल कैम्पिंग और स्वदेशी/स्थानीय स्वादिष्ट व्यंजनों की व्यवस्था की जा रही है। यूपीएसटीडीसी महाकुंभ 2025 को यादगार बनाने के प्रयास में जुटी है। आगंतुकों को अध्यात्म के साथ रोमांच का अनुभव मिले, इसके लिए वाटर स्पोर्ट्स, पैरासेलिंग या पैरामोटरिंग का प्रबंध किया गया है। महाकुंभ के दौरान प्रयागराज की पर्यटन क्षमता को बढ़ावा देने के लिए मेला मैदान के अरैल घाट पर वाटर स्पोर्ट्स के आयोजन की भी योजना है। जयवीर सिंह ने बताया कि संगमनगरी आने वाले श्रद्धालु/पर्यटक रेत पर बसे शहर में टैंट सिटी के साथ–साथ योग–प्राणायाम और मेडिटेशन सत्र का हिस्सा भी बन सकते हैं। दुनियाभर के फोटोग्राफरों के लिए महाकुंभ अविस्मरणीय और अद्वितीय क्षणों को कैद करने का सुनहरा अवसर प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि महाकुंभ मेला दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक–आध्यात्मिक आयोजनों में से एक है। पहले से अधिक दिव्य और भव्य आयोजन होने जा रहा है। देश–दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं के स्नान–ध्यान के साथ ठहरने व भ्रमण करने की अच्छी व्यवस्था की जा रही है। प्रयागराज के मंदिरों का विकास, सौंदर्यीकरण, यात्री सुविधाओं के साथ–साथ इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी परियोजनाओं को तेजी से पूरा किया जा रहा है।

बजरंग की मानसिकता खराब, पत्नी को दांव पर लगाया, महाभारत की द्रौपदी से बृजभूषण शरण सिंह ने की तुलना

संवाददाता–गोण्डा। बयानों को लेकर एक बार फिर भाजपा के पूर्व सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह सुर्खियों में हैं। रविवार को विश्नोहरपुर स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में अंतर्राष्ट्रीय पहलवानों पर फिर निशाना साधा। बजरंग पूनिया के मानसिकता खराब वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि मानसिकता तो पूनिया की खराब है, अपनी पत्नी को दांव पर लगा दिया है। उन्होंने जंतर–मंतर पर हुए आंदोलन पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि आंदोलन को लीड कौन कर रहा था, हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा और सांसद दीपेंद्र हुड्डा कर रहे थे। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा आई थीं और आज जो सिक्वेंस मिल रहे हैं कांग्रेस के मिल रहे हैं। बताया कि खिलाड़ियों का नहीं एक परिवार और एक अखाड़े का प्रदर्शन था। जीजा–साली और एक अखाड़ा था। वहीं पांच हजार वर्ष पहले द्रौपदी को दांव पे लगाया था और हार गए। देश ने आज भी माफ नहीं किया है। वैसे जो हमारे देश के बहन बेटियों को दांव पर हुड्डा परिवार ने लगाया है, देश उन्हें माफ नहीं करेगा। इसके गुनहगार वो रहेंगे। कहा कि जिन तीन घटनाओं का आरोप हमारे ऊपर लगा है, उसमे मैं बाहर था। एक में मैं सर्बिया में था और दो घटनाओं के दिन लखनऊ में था। यह कोर्ट का विषय है लेकिन सब बातें जब निकल के आएंगी तो जवाब देते नहीं बनेगा।

कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा की कांग्रेस हमारी कुंडली में बैठी है, सन 1974 में जब मेरा घर गिराया गया था, तब भी कांग्रेस की सरकार थी। पहला मुकदमा लिखा गया था, जब मेरे ऊपर टांडा लगा था तब भी कांग्रेस की सरकार थी। कांग्रेस मेरी कुंडली में बैठी है। हरियाणा चुनाव को लेकर तो वह कुछ नहीं बोले, लेकिन कांग्रेस को कई मुद्दों पर घेरा। हरियाणा चुनाव के बीच विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया के कांग्रेस में शामिल होने के बाद से लगातार बृजभूषण शरण सिंह का बयान आ रहा है। इस पर भाजपा सतर्क हो गई है, मीडिया से बातचीत के दौरान की रविवार को भाजपा हाईकमान का फोन पूर्व सांसद के पास आया है। बताया जा रहा है कि बयानों पर नियंत्रण की सलाह एक बार फिर दी गई है। हालांकि, पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने स्पष्ट किया कि वह कोई पत्रकार वार्ता नहीं कर रहे हैं, सिर्फ सवालों का जवाब दे रहे हैं।

पिता ने बेटे को सर्जिकल वार्ड से फेंक दिया नीचे, लोगो ने बच्चे को कर लिया कैच

संवाददाता–देवरिया। मेडिकल कॉलेज में रविवार को भोर में एक अजीबोगरीब घटना हुई। एक पिता ने अपने मासूम बेटे को सर्जिकल वार्ड की खिड़की से नीचे फेंक दिया। संयोग ठीक था कि उसी समय नीचे से गुजर रहे हैं लोगों ने बच्चे को कैच कर लिया जिससे उसकी जान बच गई।

जाको राखे साइयां मार सके ना कोय। कबीर दोहावली का ये महत्वपूर्ण दोहा रविवार को चरितार्थ हो गया। भोर होते ही यहां के महर्षि देवराहा बाबा मेडिकल कॉलेज में एक अजीबोगरीब घटना हुई। एक पिता ने अपने मासूम बेटे को सर्जिकल वार्ड की खिड़की से नीचे फेंक दिया। संयोग ठीक था कि उसी समय नीचे से गुजर रहे हैं लोगों ने बच्चे को कैच कर लिया जिससे उसकी जान बच गई। जानकारी होने पर मेडिकल कॉलेज में पुलिस पहुंच गई। पिता को हिरासत लेकर कोतवाली चली गई। बाद में परिजनों की मनुहार पर पुलिस ने उसे छोड़ दिया। बच्चे का पिता नशे का आदी बताया जा रहा है। गौरीबाजार थाना क्षेत्र के सुपारी निवासी शख्स का 5 साल का बेटा सर्जिकल वार्ड में 4 सितंबर से भर्ती है। बच्चे का हर्निया का ऑपरेशन हुआ है। माता–पिता दोनों उसकी सेवा में मेडिकल कॉलेज में ही साथ में रहते हैं। मिली जानकारी के अनुसार रविवार की भोर में करीब 4रू30 बजे लकी को उसका पिता पेशाब कराने के बहाने ले गया और सर्जिकल वार्ड की खिड़की से लटका कर फेंकने की बात कहने लगा। नीचे से किसी रोगी के परिजन ने यह देख लिया। उसके बुलाने पर चार–पांच लोग नीचे इकट्ठा हो गए। इधर, खिड़की से लटकाए गए बच्चे को उसके पिता ने छोड़ दिया।

संयोग ठीक था कि नीचे यह घटनाक्रम देख रहे लोगों ने बच्चों को कैच कर लिया। जिससे उसकी जान बच गई। मामले की जानकारी किसी ने पुलिस को दे दी। कोतवाली पुलिस ने मेडिकल कॉलेज पहुंचकर आरोपी पिता को हिरासत में लेकर कोतवाली चली गई। बाद में परिजनों ने मनुहार कर उसे पुलिस की हिरासत से छुड़ाया। बच्चा अभी भी मेडिकल कॉलेज के सर्जिकल वार्ड में भर्ती है। उसकी देखरेख मां कर रही है। घटना को लेकर मेडिकल कॉलेज में हड़कंप मचा रहा।

श्रीसीताराम विहार निकुंज बने काशी दास

संवाददाता–अयोध्या। धर्मनगरी के लवकुशनगर स्थित प्रतिष्ठित पीठ श्रीसीताराम विहार निकुंज का नया महंत काशी दास को बनाया गया। महंताई समारोह के दौरान रामनगरी के संत–महंत व धर्माचार्यों ने साधुशाही विरक्त परंपरानुसार उन्हें कंठी, चादर, तिलक देकर महंती की मान्यता प्रदान किया। आश्रम के महंत रहे रामदास रामायणी महाराज, जिन्हें लोग मंजीरा बाबा के नाम से जानते थे और इसी नाम से वह विख्यात रहे। उनका कुछ दिन पहले साकेतवास हो गया। रविवार को मंजीरा बाबा का त्रयोदश संस्कार रहा। जिस पर अयोध्याधाम के विशिष्ट संत–महंतों ने उनके शिष्य काशी दास को श्रीसीताराम विहार निकुंज की महंती सौंपी और मठ की गद्दी पर उनकी ताजपोशी किया। अपनी महंती से काशी दास अविभूत दिखे। उन्होंने कहा कि संतों ने उन्हें श्रीसीताराम विहार निकुंज आश्रम की महंती सौंपी है। उस पर वह अक्षरशरू खरा उतरेंगे। उनके द्वारा ऐसा कोई कार्य नही किया जायेगा। जिससे महंत पद व मठ की प्रतिष्ठा पर आंच आए। सदैव पद की प्रतिष्ठा बनाकर चलेंगे। आश्रम में ठाकुर जी की सेवा संग गौ, संत, विद्यार्थी, अतिथि सेवा सुचार रूप से चलती रहेगी। मंदिर का सर्वांगीण विकास करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके गुरूदेव विलक्षण प्रतिभा के धनी संत रहे। जो भजनानंदी संत होने के साथ–साथ गौ एवं संत सेवी थे। साधुता तो उनमें देखते ही झलकती थी। वह अब हम सबके बीच नही हैं। उस रिक्त स्थान की पूर्ति भविष्य में कभी नही की जा सकती है। लेकिन उनकी यश–कीर्ति हमेशा हम लोगों के साथ रहेगी। इस अवसर पर काफी संख्या में संत–महंत, धर्माचार्यों ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर के नये महंत काशी दास द्वारा आए हुए संत–महंतों का स्वागत–सत्कार कर भेंट, विदाई दी गई। यह सारा कार्यक्रम अंजनी गुफा रामकोट के महंत राममंगल दास रामायणी महाराज के संयोजन में संपन्न हुआ। महंताई समारोह में अंजनी गुफा के महंत राममंगल दास रामायणी, प्रेम आश्रम के पीठाधिपति महंत देवनारायण दास, सरयूकुंज पीठाधीश्वर महंत राममिलन शरण, राम लक्ष्मण कुंज के महंत आचार्य लक्ष्मण दास, महंत नवल दास, विजयराम दास समेत अन्य संत–महंत एवं मंदिर से जुड़े शिष्य–अनुयायी, परिकर मौजूद रहे।

सड़क निर्माण के लिए ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। चिऊरहा–बागापार मार्ग के निर्माण की मांग को लेकर रविवार को ग्रामीणों ने बागापार में प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना रहा कि मार्ग में जगह–जगह बड़े बड़े गड्ढे हो गए हैं। लेकिन बार–बार मांग करने के बाद भी निर्माण नहीं किया गया है। सड़क नहीं बनी तो लोग जिला मुख्यालय पर धरना देंगे। पूर्व प्रधान रामराज चौरसिया ने कहा कि जब से सड़क को पिच किया गया है, तब से अपेक्षित छोड़ दिया गया है। इससे वर्तमान में सड़क पूरी तरह से टूट चुकी है। 9 किमी लंबी इस सड़क की पैचिंग की भी मांग की गयी। लेकिन जिम्मेदारों ने अब तक ध्यान नहीं दिया। इससे सड़क के बीच बने गड्ढे में लोग गिरकर घायल हो रहे हैं। लोगों ने चेतावनी दी कि सड़क नहीं बनी तो ग्रामीण जिला मुख्यालय पर धरना देंगे। इस दौरान अब्दुल मजीद, नंदलाल, रामदास चौरसिया, मदन, तबरेज आलम, श्रीपत वर्मा, हरेंद्र, गोविंद, रामप्रित, शैलेंद्र, रघुनाथ, प्रमोद आदि मौजूद रहे।

पति ही निकला पत्नी का हत्यारा

संवाददाता–गोण्डा। जिले के इटियाथोक थाना के गांव धर्मेई में गुरुवार को परवीन बेगम 45 वर्ष की उसके घर में चाकूओ से गोदकर हत्या कर दी गई। गांव के पूर्व प्रधान की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना पर पुलिस के अधिकारियों ने घटनास्थल पहुंचकर पूरे घटनाक्रम की जांच पड़ताल की। फील्ड यूनिट और डॉग स्क्वायड टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य संकलन की कार्रवाई की गई। मृतका के भाई खलील की तहरीर पर इटियाथोक थाने में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस ने विवेचना शुरू की तो पूरे घटनाक्रम की पोल खुल गई। इस मामले में पुलिस ने मृतका के पति अलाउद्दीन को हिरासत में लेकर पूछताछ किया तो वह टूट गया। उसने पत्नी की चाकुओं से गोदकर हत्या करने की बात को स्वीकार करते हुए पुलिस को बताया कि आए दिन उसका पत्नी से झगड़ा हुआ करता था। गुरुवार की सुबह विवाद होने के बाद वह बिना खाए ई– रिक्शा लेकर अपने काम पर निकल गया। कुछ देर बाद मोबाइल फोन पर खाना खाने की बात को लेकर पत्नी और उसके बीच फिर विवाद हुआ। आरोप है कि इस दौरान उसकी पत्नी ने उसे काफी कुछ कहा जिसके बाद वह दोबारा ई रिक्शा लेकर अपने घर पहुंचा। उस समय उसकी पत्नी सो रही थी। गुस्से में आकर उसने किचन में रखें चाकू उठाकर उसके गले पर ताबड़तोड़ कई वार किया। जिससे घटनास्थल पर उसकी मौत हो गई। उसके बाद वह ई रिक्शा लेकर चला गया। फिर कुछ देर बाद वापस लौटने पर उसने गांव के पूर्व प्रधान को पत्नी की हत्या होने की बात बताई। घटना के दिन से ही यह बात किसी के गले नहीं उतर रही थी। लोग पति को ही शंका की निगाह से देख रहे थे। अंत में वही सच निकला। इस मामले में पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

भेड़ियों जैसे झुंड को लेकर दहशतः वन विभाग सक्रिय

संवाददाता–बस्ती। कप्तानगंज थानाक्षेत्र के मेढौवा डिहवा में शनिवार रात भेड़ियों जैसे झुंड सड़क पर दिखने से इलाके में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने इसकी सूचना डायल 112 सहित वन विभाग की टीम को दी। सूचना पर वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन घनी झाड़ी के चलते वापस लौट गई। भेड़िया जैसे दिखने वाले झुंड का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा। रविवार की सुबह भी वन विभाग की टीम फिर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से खोजबीन में जुटी है। वन विभाग के राजू प्रसाद ने बताया कि सूचना पर सर्च अभियान चलाया जा रहा है।

अब जिले की कमान संभालेंगे केके बिश्नोई

संवाददाता–गोरखपुर। कृष्ण कुमार बिश्नोई का कार्यकाल बेहद सफलता भरा रहा। दो साल चार माह 18 दिन के कार्यकाल में उन्होंने जिले के अजीत शाही और विनोद उपाध्याय, सुधीर सिंह समेत कई बड़े माफिया पर कार्रवाई की। इनके घर ढहाने से लेकर इनपर गैंगेस्टर, हिस्ट्रीशीट खोलने के कार्रवाई को खुद से लीड किया था। एसपी सिटी कार्यकाल के दौरान बिश्नोई ने माफियाओं की 803 करोड़ से अधिक की संपत्ति जप्त की। गोरखपुर के एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई का तबादला अब संभल एसपी के तौर पर हुआ है। 2018 बैच के आईपीएस बिश्नोई को पहली बार किसी जिले की कमान मिली है। शहर में एसपी सिटी के तौर पर 26 माह के कार्यकाल को याद किया जाएगा। जिले के अपराधियों से लेकर जमीन के धंधेबाजों पर कृष्ण कुमार बिश्नोई ने सख्त कार्रवाई की। नतीजा रहा कि शहर में बतौर एसपी सिटी होने के बावजूद जिले के सभी टॉप 10 अपराधियों को जिला छोड़ने पर मजबूर कर दिया था। एसपी सिटी कार्यकाल के दौरान बिश्नोई ने माफियाओं की लगभग 803 करोड़ से अधिक की संपत्ति जप्त की। कृष्ण कुमार बिश्नोई का कार्यकाल बेहद सफलता भरा रहा। शहर के सामान्य, व्यापारी, चिकित्सक और अन्य सामाजिक लोगों के साथ उनका व्यवहार काफी सरल रहा।

अपने कार्यकाल में उन्होंने ऐसे किसी भी लोग को अपने पास आने के लिए किसी पैरवी से मना कर दिया था। उनका मानना था कि अगर पीड़ित खुद सामने आकर अपनी परेशानी बताएगा तो उसके समाधान के लिए पुलिस बेहतर प्रयास कर सकेगी। दो साल चार माह 18 दिन के कार्यकाल में उन्होंने जिले के अजीत शाही और विनोद उपाध्याय, सुधीर सिंह समेत कई बड़े माफिया पर कार्रवाई की। इनके घर ढहाने से लेकर इनपर गैंगेस्टर, हिस्ट्रीशीट खोलने के कार्रवाई को खुद से लीड किया था। बिश्नोई, जिनकी कड़क छवि और अपराध पर नकेल कसने की नीतियों ने गोरखपुर में उन्हें जनता और अधिकारियों के बीच एक खासी पहचान दिलाई थी, अब संभल में अपनी कड़ी प्रशासनिक कुशलता दिखाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कृष्ण कुमार बिश्नोई का शुरू से लेकर अभी तक का कार्यकाल ऐसे ही चर्चाओं भरा रहा है। पुलिस महानिदेशक ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया था। गोरखपुर में बिश्नोई के कार्यकाल के दौरान किए गए अपराध मुक्त और कानून व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए इस सम्मान से सम्मानित किया गया था। अब जिले की कमान देकर उन्हें नई जिम्मेदारी दी गई है।

स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति की बैठक में दिलाई शपथ

संवाददाता–संतकबीरनगर। हैंसर बाजार धनघटा, संत कबीर नगर। नगर पंचायत हैंसर बाजार धनघटा के वार्ड न0 17 हैंसर हरदो द्वितीय में बुद्धवार को ''स्वच्छ सर्वेक्षण 2024'' के दृष्टिगत ''स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति'' की बैठक हुई। अध्यक्षता अधिषाशी अधिकारी उमेष कुमार पासी ने किया। अधिषाशी अधिकारी द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत स्वच्छता की पाठशाला से संबंधित 4 प्रकार के कचरे जैसे–हरे डस्टबिन में गीला कचरा एवं नीले डस्टबिन में सूखा कचरा तथा काले डस्टबिन में घरेलू खतरनाक कचरा और पीले डस्टबिन में सेनेटरी कचरे को रखने, स्कूल के आस–पास, घरों के आस–पास साफ–सफाई आदि से संबंधित जानकारी नगर पंचायत सफाई कर्मचारियों व सफाई नायक को दी।

जिसमें वार्ड न0 15 गागरगाड़ द्वितीय के प्रेमनरायण चौधरी, वार्ड न0 6 मलौली के सभासद नवीन पाण्डेय, दुघरा कला के स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति के अध्यक्ष राजू की उपस्थिति में स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति के सदस्यों, सफाई नायकों एवं कार्यालय के कर्मचारियों के साथ स्वच्छता हमारी जिम्मेदारी की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम का मूल उद्देश्य वार्डो में स्वच्छता के प्रति नागरिकों, युवाओं की भागीदारी एवं सारथी के रूप में ''स्वच्छ भारत अभियान में अपने योगदान व जुड़ाव हेतु प्रोत्साहित करना है।

नगर पंचायत हैंसर बाजार धनघटा को कचरा मुक्त बनाने, खुले स्थान एवं नाले में कचरा न फेंकने, अपने कचरे को स्रोत पर ही जैविक और अजैविक कचरे को अलग–अलग करके डोर–टू–डोर कचरा गाड़ी को कचरा देने और होम कंपोस्टिंग बनाने, पॉलिथीन एवं प्लास्टिक का उपयोग न करने आदि के बारे में विशेष रूप से जानकारी देते हुए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला कार्यक्रम प्रबंधक पंकज ने किया। बैठक में मुख्य रूप से रजत कुमार, सुधांषु पाण्डेय, अमर प्रताप सिंह, सुभम सिंह, मृत्युजंय षर्मा, अभय प्रताप सिंह, अमरनाथ, मनोज कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, विजय, हारून, अमरदेव, प्रदीप यादव, रवि कुमार सहित नगर पंचायत के सफाई कर्मचारी उपस्थित रहे।

गोंडा रेल हादसाः रेल ट्रैक में खराबी की वजह से पलटी थीं बोगियां, सीआरएस जांच में सामने आई गड़बड़ी

संवाददाता–गोरखपुर। गोंडा रेल हादसे की प्रारंभिक जांच पूरी हो गई है। रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) की जांच में हादसे की वजह ट्रैक में गड़बड़ी बताई गई है। उन्होंने भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए हैं। सूत्रों की मानें तो इस मामले में तीन–चार अफसरों की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई हो सकती है। घटनास्थल के स्टेशन मास्टर को भी कॉसन लेने में तत्परता नहीं दिखाने का आरोपी बताया गया है। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो रही है, लेकिन रिपोर्ट चर्चा में है। बीते 18 जुलाई को चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन से 1500 यात्रियों को लेकर डिब्रूगढ़ जा रही चंडीगढ़–डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस गोंडा–मनकापुर रेलखंड के झिलाही स्टेशन के पास पटरी से उतर गई। ट्रेन के 14 डिब्बे पलट गए थे। इस ट्रेन के सेकंड एसी में 52, थर्ड एसी में 288, स्लीपर क्लास में 820 और जनरल डिब्बों में करीब 300 यात्री सवार थे। हादसे में चार यात्रियों की मौत हो गई थी जबकि 25 घायल हो गए थे। घटना के तुरंत बाद सीआरएस जांच के आदेश दिए गए थे। अगले दिन ही सीआरएस ने मौके पर जाकर जांच शुरू करने के साथ ही अलग–अलग संरक्षा, सुरक्षा, सिग्नल, इंजीनियरिंग, यांत्रिक और ट्रैफिक से जुड़े अधिकारियों व कर्मचारियों से पूछताछ की थी। इसके अलावा स्वतंत्र गवाहों को भी अपनी बात रखने का मौका दिया गया था। गोंडा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन दोपहर 2.25 बजे पहुंची और 2.28 बजे यहां से निकली। गोंडा मुख्यालय से करीब 18 किलोमीटर दूर मोतीगंज–झिलाही बाजार के बीच 2.41 बजे ट्रेन बेपटरी होकर पलट गई। एक–एक करके 14 कोच पटरी से उतर गए, जिनमें से छह पलट गए थे। 24 कोच वाली ट्रेन के इंजन के बाद एसी के छह कोच लगे थे, जिनमें दो कोच पटरी से उतरकर पलट गए। इसके बाद एसी के चार अन्य कोच भी पलट गए। हादसे के समय ट्रेन की रफ्तार करीब 90 किमी प्रतिघंटे से अधिक थी। चर्चा है कि खराब रेल पटरी पर तेज गति से ट्रेन गुजरी तो डिब्बे अनियंत्रित हो गए। घटना के तत्काल बाद ही ट्रैक की हालत को लेकर सवाल उठने लगे थे। ट्रैक की निगरानी करने वाले एक कर्मचारी का मोबाइल ऑडियो भी लीक हुआ था, जिसमें पटरी खराब होने की जानकारी दी गई थी। घटना से कुछ देर पहले ही मरम्मत से पूर्व ट्रेनों को कॉशन पर चलाने की बात भी हुई थी, लेकिन जब तक निर्णय हो पाता, ट्रेन ट्रैक पर पहुंच चुकी थी। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट के आधार पर इंजीनियरिंग विभाग से जुड़े जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो सकती है।

क्षेत्र पंचायत बैठक से पहले विधायक और पूर्व विधायक समर्थक आमने– सामने

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के सेमरियावां क्षेत्र पंचायत की बुधवार को होने वाली बैठक से पहले विधायक अंकुर राज तिवारी और पूर्व विधायक दिग्विजय नारायण चतुर्वेदी के समर्थक आमने सामने हो गए। इस बीच जमकर नोकझोक और हाथापाई भी हुई। पुलिस कर्मियों से भी झड़प हुई। सूचना पर डीएम, एसपी भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद सदस्यों को ब्लॉक सभागार तक पहुंचाया गया और बैठक शुरू हुई। विवाद को लेकर गहमा गहमी का माहौल रहा। सेमरियावां क्षेत्र पंचायत की बैठक बुधवार को सुबह 11 बजे से शुरू होनी थी। इसको लेकर प्रशासन ने पूरी तैयारी की थी। पूर्व विधायक समर्थित ब्लॉक प्रमुख के समर्थन में क्षेत्र पंचायत सदस्य ब्लॉक पर पहुंचे।

अगले वर्ष भटनी से प्रयागराज तक डबल लाइन पर दौड़ेंगी ट्रेनें, आगरा तक चलेगी पूजा स्पेशल

संवाददाता–गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे की ट्रेनें अगले वर्ष से भटनी से प्रयागराज तक डबल लाइन (दोहरीकरण) पर दौड़ेंगी। भटनी से औड़िहार तक 117 किमी रेल लाइन पर लगभग 60 किमी लाइन का दोहरीकरण पूरा हो गया है। शेष 57 किमी के दोहरीकरण का कार्य भी तेज है। तुर्तीपार स्टेशन के पास सरयू नदी पर भी पुल का निर्माण चल रहा है। बनारस से प्रयागराज तक डबल लाइन पहले ही बिछ चुकी है। झूसी से प्रयागराज के बीच गंगा पुल का निर्माण अंतिम चरण में है। दिसंबर 2024 तक यह पुल भी खुल जाएगा। महाकुंभ में प्रयागराज तक ट्रेनों का संचालन और सुगम हो जाएगा। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह के अनुसार भटनी–औड़िहार खण्ड (117 किमी) दोहरीकरण परियोजना के अन्तर्गत किड़िहरापुर–इन्दारा (12.98 किमी),सादात–औड़िहार (18.21 किमी), भटनी–पिवकोल (5.25 किमी), बेलथरा रोड–किड़िहरापुर (13.85 किमी) सहित अब तक कुल 50.29 किमी कार्य पूरा हो गया है। जखनिया–सादात–पिपरीडीह– दुल्लहपुर (39.18 किमी) एवं पिवकोल–सलेमपुर–लार रोड–बेलथरा रोड (27.53 किमी) के दोहरीकरण का कार्य विद्युतीकरण सहित प्रगति पर है, जिसके पूरा हो जाने पर भटनी–औड़िहार (117 किमी) पूरा रेल खण्ड दोहरीकृत हो जाएगा। दोहरीकरण परियोजना की कुल लागत 2529.46 करोड़ रुपये है।

वर्ष 2024– 25 के बजट में इस परियोजना को पूरा करने के लिए 413. 33 करोड़ का आवंटन किया गया है। दोहरीकरण का कार्य पूर्ण हो जाने पर ट्रैक क्षमता बढ़ जाएगी। ट्रेनों का समय पालन दुरुस्त होगा। यात्रियों की मांग के अनुसार अन्य अतिरिक्त गाड़ियां भी चलाई जा सकेंगी। इस क्षेत्र का आर्थिक विकास होगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।